mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-28 अंक-353 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

24 दिसंबर 2024 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

दैनिक मीडिया ऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

ट्रेविस हैड पर अंकुश ...

@ पेज 7

‘उनके जख्मों पर नमक जरूर छिड़क रही’

● युवाओं को लेकर बीजेपी सरकार पर प्रियंका गांधी का हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि बीजेपी ने युवाओं के सपनों को भी कमाई का जरिया बना लिया है। प्रियंका गांधी ने लखनऊ स्थित %कल्याण सिंह अतिविशिष्ट कैंसर संस्थान% में परीक्षा संबंधित आवेदन पत्र पर 18त्न त्रस्स्ञ्ज (गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स) लगाए जाने को लेकर कड़ी आलोचना की। उनका कहना था कि बीजेपी सरकार युवाओं को रोजगार नहीं दे सकती, लेकिन परीक्षा फॉर्म पर टैक्स लगाकर उनके जख्मों पर नमक जरूर छिड़क रही है।

प्रियंका गांधी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल %एक्स% पर पोस्ट किया, ÷बीजेपी युवाओं को नौकरी तो दे नहीं सकती, लेकिन परीक्षा फॉर्म पर 18 प्रतिशत जीएसटी वसूलकर युवाओं के जख्मों पर नमक जरूर छिड़क रही है। अग्निवीर समेत हर सरकारी नौकरी के फॉर्म पर जीएसटी वसूली जा रही है।÷ उन्होंने कहा कि फॉर्म भरने के बाद सरकार की विफलता से पेपर लीक हुआ, भ्रष्टाचार हुआ तो युवाओं के ये पैसे डूब जाते हैं। प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया, ÷माता-पिता अपनी कड़ी मेहनत और छोटी-छोटी बचतों से बच्चों को पढ़ाते हैं, उन्हें परीक्षा की तैयारी कराते हैं, लेकिन बीजेपी सरकार ने उनके सपनों को भी कमाई का जरिया बना लिया है।÷

प्रियंका गांधी के इस बयान ने बीजेपी सरकार के खिलाफ विपक्षी दलों के बीच एक और मोर्चा खोल दिया है। विपक्षी दलों का आरोप है कि बीजेपी सरकार युवाओं के रोजगार और शिक्षा के मामलों में विफल रही है। इससे पहले भी प्रियंका गांधी बीजेपी सरकार पर युवाओं को रोजगार देने में विफलता का आरोप लगा चुकी हैं। इसके साथ ही विभिन्न सरकारी परीक्षाओं में होने वाली गड़बड़ियों पर भी सवाल उठाए थे।

Priyanka Gandhi Vadra
@priyankagandhi · फ़ॉलो करें

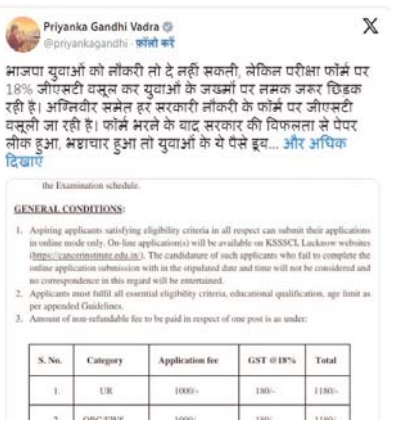

भाजपा युवाओं को नौकरी तो दे नहीं सकती, लेकिन परीक्षा फॉर्म पर 18% जीएसटी वसूल कर युवाओं के जख्मों पर नमक जरूर छिड़क रही है। अग्निवीर समेत हर सरकारी नौकरी के फॉर्म पर जीएसटी वसूली जा रही है। फॉर्म भरने के बाद सरकार की विफलता से पेपर लीक हुआ, भ्रष्टाचार हुआ तो युवाओं के ये पैसे डूब... और अधिक दिखाएं

the Examination schedule.

GENERAL CONDITIONS:

1. Aspiring applicants satisfying eligibility criteria in all respect can submit their applications in online mode only. On-line application(s) will be available on KSSSCI, Lucknow websites (https://cancerinstitute.edu.in/). The candidature of such applicants who fail to complete the online application submission with in the stipulated date and time will not be considered and no correspondence in this regard will be entertained.
2. Applicants must fulfil all essential eligibility criteria, educational qualification, age limit as per appended Guidelines.
3. Amount of non-refundable fee to be paid in respect of one post is as under:

S. No.	Category	Application fee	GST @18%	Total
1.	UR	1000/-	180/-	1180/-

संक्षिप्त समाचार

बाइडेन ने मृत्युदंड का सामना कर रहे 40 में से 37 लोगों को दिया जीवनदान

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने सोमवार को घोषणा की है वह मृत्युदंड की सजा का सामना कर रहे 40 में से 37 लोगों की सजा को आजीवन कारावास में बदल रहे हैं। यह घोषणा अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पदभार

ग्रहण करने से महज कुछ सप्ताह पहले की गई है, जो मृत्युदंड के मुखर समर्थक हैं।

बाइडेन का यह कदम पुलिस और सैन्य अधिकारियों, संघीय भूमि पर रहने वाले लोगों की हत्या और घातक बैंक डकैतियों या नशीले पदार्थों के सौदों में शामिल लोगों के साथ-साथ संघीय इकाइयों में सुरक्षा गार्ड या कैदियों की हत्याओं में दोषी पाए गए लोगों को जीवन दान प्रदान करता है। इसका मतलब है कि अब केवल तीन संघीय कैदियों को मृत्युदंड की सजा दी जाएगी। जिन तीन कैदियों को फांसी की सजा दी जाएगी वो हैं डायलन रूफ, जिसने 2015 में साउथ कैरोलाइना के चार्ल्सटन में मदर इमैनुएल एएमई चर्च के नौ अश्वेत सदस्यों की नस्ली हत्या की थी, 2013 में बोस्टन मैराथन में बम विस्फोट करने वाला जोखर त्सरनेव और वर्ष 2018 में पिट्सबर्ग के ट्री ऑफ लाइफ सिनेगॉग में 11 लोगों की गोली मारकर हत्या करने वाला रॉबर्ट बॉवर्स, जो अमेरिकी इतिहास का सबसे घातक यहूदी विरोधी हमला था।

बांग्लादेश ने भारत को लिखा पत्र- शेख हसीना को वापस भेजने की मांग

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने भारत सरकार को पत्र लिखा है। इस पत्र में बांग्लादेश ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को वापस भेजने यानी प्रत्यर्पण की मांग की है। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार में शेख हसीना के खिलाफ कई मामलों केस दर्ज किया गया है। बता दें कि अगस्त महीने के आखिर में बांग्लादेश में हुए तख्तापलट के बाद शेख हसीना भारत चली आई थीं। हालांकि, अभी इस बात पर मुहर नहीं लगी है कि उन्होंने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री के पद से इस्तीफा दिया है या नहीं।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने सोमवार को इस बात की जानकारी दी है कि उसने शेख हसीना को ढाका वापस भेजने के लिए एक राजनयिक संदेश भेजा है। बांग्लादेश की अंतरिम ससकार में विदेश मंत्री तौहीद हुसैन ने कहा- ''हमने भारत सरकार को एक राजनयिक संदेश भेजा है, जिसमें कहा गया है कि बांग्लादेश में न्यायिक प्रक्रिया के लिए उन्हें (हसीना) वापस ढाका भेजा जाए।'' इससे पहले बांग्लादेश के गृह मंत्रालय के सलाहकार जहांगीर आलम ने भी जानकारी दी है कि उनके कार्यालय की ओर से भी विदेश मंत्रालय को अपदस्थ प्रधानमंत्री हसीना के प्रत्यर्पण के लिए पत्र भेजा गया है। इसकी प्रक्रिया जारी है। गृह मंत्रालय के सलाहकार जहांगीर आलम दावा किया है कि ढाका और नयी दिल्ली के बीच प्रत्यर्पण संधि पहले से ही मौजूद है। इस संधि के तहत शेख हसीना को बांग्लादेश वापस लाया जा सकता है।

एक्ट्रेस और पूर्व सांसद जया प्रदा के लिए गैर जमानती वारंट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुरादाबाद की कोर्ट ने वेटरन एक्ट्रेस और पूर्व सांसद जयाप्रदा के लिए गैर जमानती वारंट नोटिस जारी किया है. जयाप्रदा पर आरोप है कि वह कोर्ट में जिरह के दौरान पेश नहीं हुई थीं. जबकि उन्हें पहले समन भेजा गया था. यह मामला उस वक्त का है जब उन्होंने एक कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के नेताओं आजम खान और अब्दुल्ला समेत कई अन्य नेताओं के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की थी. इस मामले में अब उनकी गिरफ्तारी की प्रक्रिया शुरू की जाएगी. जयाप्रदा पर 2019 में केमरी पुलिस स्टेशन में समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान के खिलाफ आपत्तिजनक भाषण देने का आरोप उनके खिलाफ दर्ज किया गया था. इस मामले में भी अदालत ने गवाहों की कमी का हवाला देते हुए उन्हें दोषमुक्त कर दिया था. जया प्रदा पर आचार संहिता उल्लंघन के दो मामलों में फरार होने का भी आरोप था. वे कोर्ट में समय पर उपस्थित नहीं हुईं, जिसके कारण उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया गया.

जया प्रदा के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन का मामला 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान स्वार थाना क्षेत्र में दर्ज किया गया था. आचार संहिता लागू होने के बावजूद उन्होंने एक सड़क का उद्घाटन कर दिया था, जिसका वीडियो भी वायरल हुआ था. हालांकि, इस मामले में साक्ष्यों की कमी के कारण अदालत ने उन्हें राहत दी और मामला खारिज कर दिया.

क्रिसमस सेलिब्रेशन में बोले पीएम मोदी

भारत विदेश नीति में राष्ट्रीय हित के साथ मानव हित को प्राथमिकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कैथोलिक बिशप कॉन्फ्रेंस इंडिया के क्रिसमस सेलिब्रेशन कार्यक्रम में शिरकत की. इस दौरान पीएम मोदी ने ईसाई समुदाय को क्रिसमस की शुभकामनाएं दी और कहा कि भारत अपनी विदेश नीति में राष्ट्रीय हित के साथ ही मानव हित को भी प्राथमिकता देता है. साथ ही उन्होंने कहा कि बीते 10 साल में भारत दसवें नंबर की अर्थव्यवस्था से पांचवे नंबर की अर्थव्यवस्था बन गया क्योंकि हमने खुद पर भरोसा किया और हमने हिम्मत नहीं हारी.

उन्होंने कहा, भारत अपनी विदेश नीति में नेशनल इंट्रेस्ट के साथ ही ह्यूमन इंट्रेस्ट को भी प्राथमिकता देता है. कोरोना के समय पूरी दुनिया ने इसे देखा भी और महसूस भी किया. कोरोना की इतनी बड़ी महामारी आई तो दुनिया के कई देश जो ह्यूमन राइट्स और मानवता की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, वे इन बातों को डिप्लोमेटिक वेपन के रूप में इस्?तेमाल करते हैं.

जरूरत पड़ने पर वे गरीब और छोटे देशों की मदद के लिए पीछे हट गए.

उन्होंने कहा, उस वक्त उन्होंने केवल अपने हित की ही चिंता की. लेकिन भारत ने परमार्थ भाव से अपने सामर्थ्य से भी आगे जाकर कितने ही देशों की मदद की.

हिंसा फैलाने की कोशिश से होता है दुखः जर्मनी के क्रिसमस मार्केट में हाल ही में हुए हमले में पांच लोगों की मौत और श्रीलंका में 2019 के ईस्टर बम धमाकों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि जब समाज में हिंसा फैलाने की कोशिश होती है, तो उन्हें बहुत दुख होता है. उन्?होंने लोगों से लोगों से चुनौती के खिलाफ लड़ने के लिए एक साथ आने का आग्रह किया.

अमेरिका के दौरे पर जाएंगे विदेश मंत्री एस जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के विभिन्न हिस्सों में जारी उथल-पुथल की स्थिति के बीच भारत के विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर अहम विदेश यात्रा करने जा रहे हैं। विदेश मंत्री जयशंकर संयुक्त राज्य अमेरिका का दौरे पर जाने वाले हैं। उनकी अमेरिका यात्रा आगामी 24 दिसंबर से लेकर 29 दिसंबर 2024 तक

चलेगी। अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर कई अहम मुद्दों पर चर्चा करने वाले हैं। एस जयशंकर मंगलवार से 6 दिनों की यात्रा पर अमेरिका जाने वाले हैं। विदेश मंत्री जयशंकर प्रमुख द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए अपने अमेरिकी समकक्षों से मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय ने जानकारी दी है कि एस जयशंकर अमेरिका में स्थित भारत के महावाणिज्य दूत के एक सम्मेलन की भी अध्यक्षता करेंगे।

5वीं और 8वीं क्लास के लिए नो डिटेंशन पॉलिसी खत्म

नई पॉलिसी का असर करीब 3 हजार से ज्यादा स्कूलों पर होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। 5वीं और 8वीं क्लास में फेल होने वाले बच्चों को अब अगली क्लास में प्रमोट नहीं किया जाएगा. केंद्र सरकार ने सोमवार को 'नो डिटेंशन पॉलिसी' खत्म कर दी है. पहले इस नियम के तहत फेल होने वाले छात्रों को दूसरी क्लास में प्रमोट कर दिया जाता था. नए नियम के तहत अब उनको फेल ही माना जायेगा. पास होने के लिए उन्हें दोबारा परीक्षा देनी होगी. जब तक वे पास नहीं होते, तब तक उन्हें प्रमोट नहीं किया जाएगा. हालांकि, स्कूल ऐसे छात्रों को निकाल नहीं कर सकते हैं. केंद्र सरकार की नई पॉलिसी का असर केंद्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों और सैनिक स्कूलों सहित करीब 3 हजार से ज्यादा स्कूलों पर होगा. ये पॉलिसी 16 राज्य और 2 केंद्र शासित प्रदेश (दिल्ली और पुडुचेरी) नो-डिटेंशन पॉलिसी पहले से ही खत्म की जा चुकी हैं.

शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक, स्कूली शिक्षा राज्य का विषय है, इसलिए राज्य इस संबंध में अपना निर्णय ले सकते हैं. आइए जानते हैं क्या है नो डिटेंशन पॉलिसी? सरकार ने इसे क्यों खत्म किया? इस पॉलिसी के खत्म करने से छात्रों पर क्या पड़ेगा असर–

नो-डिटेंशन पॉलिसी क्या हैः शिक्षा के अधिकार

अधिनियम यानी राइट टू एजुकेशन में नो-डिटेंशन पॉलिसी का जिक्र है. इसके मुताबिक, किसी भी छात्र को तब तक फेल या स्कूल से निकाला नहीं जा सकता, जब तक वह क्लास 1 से 8 तक की प्राथमिक शिक्षा पूरी नहीं कर लेता. यानी अगर कोई बच्चा क्लास 8 तक परीक्षा में फेल हो जाता है, तो उसे अगली क्लास में प्रमोट करने का प्रावधान है.

ये पॉलिसी क्यों रखी गई थी: साल 2010-11 से 8वीं क्लास तक परीक्षा में फेल होने के प्रावधान पर रोक लगा दी गई थी. इसके बाद बच्चों को फेल होने के बावजूद अगली क्लास में प्रमोट कर दिया जाता था. ताकि बच्चों में हीन भावना न आए या वो सुसाइड जैसा कदम न उठा लें. कमजोर बच्चे भी बाकी बच्चों की तरह बेसिक एजुकेशन हासिल कर सके.

चुनाव में नीतीश कुमार ही होंगे मुख्यमंत्री चेहरा

बिहार में बीजेपी का बड़ा फैसला

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में एक नया मोड़ आया है. बिहार बीजेपी ने बड़ा फैसला लेते हुए नीतीश कुमार की अगुवाई में ही विहार विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया है. भाजपा ने कहा है विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश कुमार के नाम पर ही ठप्पा लगा दिया. इससे मालूम होता है कि बिहार में अभी भी नीतीश कुमार की पकड़ ज्यादा मजबूत है. वर्तमान में नीतीश कुमार 'मिशन बिहार% पर निकल चुके हैं. नीतीश कुमार सोमवार को 'प्रगति यात्रा% के पहले चरण की शुरुआत पश्चिम चंपारण से कर चुके हैं. हालांकि, इस यात्रा के शुरू होने के वक्त राज्य के दोनों डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा और सम्राट चौधरी नजर नहीं आए. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी यात्रा की शुरुआत बेतिया के वाल्मीकि नगर के घोटवा टोला से की. मुख्यमंत्री इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में गए और लोगों की राय भी ली. अपनी यात्रा के दौरान सीएम कुमार ने करोड़ों की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन भी किया.

इस यात्रा के जरिए नीतीश कुमार महिलाओं से संवाद कर रहे हैं. उनकी समस्याओं को समझ रहे हैं और निवारण के लिए अधिकारियों को निर्देश भी दे रहे हैं. यात्रा के पहले चरण में मुख्यमंत्री 23 से 28 दिसंबर तक छह जिलों में जाएंगे. कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री नीतीश 24 दिसंबर को पूर्वी चंपारण, 26 को शिवहर-सीतामढ़ी, 27 को मुजफ्फरपुर और 28 दिसंबर को वैशाली का दौरा करेंगे.

बीजेपी के वरिष्ठ नेता अमित शाह के एक बयान ने बिहार में एनडीए हरकत में आ गया. दरअसल अमित शाह ने पिछले दिनों एक कार्यक्रम में कहा था कि बिहार में अगला चुनाव किसके चेहरे पर लड़ा जाएगा, इसका फैसला बीजेपी और जेडीयू की बैठक में लिया जाएगा. यह खबर बिहार पहुंची तो वहां राजनीतिक गलियारे में हलचल होने लगी.बैठकों का दौर चलने लगा. इन बैठकों के बाद कहा गया कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार ही एनडीए का चेहरा होंगे और मुख्यमंत्री भी वही बनेंगे।

शुक्र है 10 साल बाद आंखें तो खुलीं

दिल्ली के उपराज्यपाल ने केजरीवाल को लिखा पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में कुछ ही समय बाद विधानसभा चुनाव का आयोजन होना है। ऐसे में सभी दल अपनी तैयारियों में लगे हुए हैं। इस बीच दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर बड़ा हमला किया है। एलजी वीके सक्सेना ने दिल्ली में स्कूलों से लेकर यमुना नदी समेत विभिन्न क्षेत्रों में फैली बदहाली को लेकर केजरीवाल पर निशाना साधा है। उपराज्यपाल ने यमुना में प्रदूषण को लेकर व्यक्तिगत रूप से अरविंद केजरीवाल को जिम्मेदार ठहराया है। आइए जानते हैं कि दिल्ली के उपराज्यपाल ने और क्या कुछ कहा है।

शुक्र है कि 10 वर्ष के बाद ही सही, दिल्ली में व्याप्त बदहाली और नरकीय ÷नागरिक सुविधाओं÷ के प्रति आपकी

आँखें खुलीं। आपने ÷एक्स÷ पर आज के पोस्ट में जिस ÷हमारी टीम÷ का जिक्र किया है, यह वही अधिकारी/विभाग हैं, जो मेरे साथ 21.12.2024 को रंगपुरी और कापसहेड़ा के दौरे पर गए थे और जिनसे मैंने समस्याओं के समाधान का अनुरोध किया था।

बेहतर होता कि आपने यही मुस्तैदी और चिंता, मेरे द्वारा दौरे के उपरांत चिन्हित किराड़ी, बुराड़ी, संगम विहार, गोकुलपुरी, मुंडका, नांगलोई, रानीखेड़ा, कलंदर कॉलोनी, इत्यादि जैसे जगहों के बारे में भी दिखाई होती।

मुझे प्रसन्नता होती यदि आप दिल्ली सरकार के उन स्कूलों की तरफ भी ध्यान देते, जहाँ एक ही कमरे में दो कक्षा के छात्र एक दूसरे की तरफ पीठ कर द्वारा पढ़ाये जाते हैं, उन मोहल्ला क्लीनिकों का संज्ञान लेते, जहाँ हालत जर्जर है और डॉक्टर बिना क्लिनिक आये, द्दद्धश्व्ह्यह्ल मरीजों के ह्लद्गह्यह्ल लिखते हैं, उन सरकारी अस्पतालों को सुधारते जहाँ दवाइयां उपलब्ध नहीं हैं, गंदगी का अम्बार है, और डॉक्टर नदारद रहते हैं, तथा उन गरीबों की समस्या का समाधान करते जिनके पानी और बिजली के हजारों रुपये के बिल आ रहे हैं।

आपको याद होगा कि मैंने अनेक अवसरों पर लिखित रूप से अथवा व्यक्तिगत चर्चा में पिछले ढाई वर्षों के दौरान, दिल्ली और दिल्लीवासियों की अनेक विकराल समस्याओं की तरफ आपका ध्यान आकर्षित कर, उनका समाधान करने का अनुरोध किया।

फिल्ममेकर श्याम बेनेगल का निधन, 14 को ही मनाया था 90वां जन्मदिन

नई दिल्ली (एजेंसी)। फिल्ममेकर श्याम बेनेगल का सोमवार को निधन हो गया है. 14 दिसंबर को ही उन्होंने अपना 90वां जन्मदिन मनाया था.वो कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे. मुंबई के लीलावती अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था. सोमवार शाम करीब 7 बजे उन्होंने आखिरी सांसें लीं. अंकुर, निशांत, मंथन जुबैदा, वेलकम टू सजनपुर और भूमिका जैसी फिल्मों के लिये चर्चित बेनेगल पेरेलल सिनेमा के अग्रणी निर्देशकों में शुमार किये जाते हैं. श्याम को 1976 में पद्मश्री और 1991 में पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित किया गया था.

श्याम बेनेगल की फिल्मों ने भारतीय सिनेमा को बेहतरीन कलाकार दिए. इनमें नसीरुद्दीन शाह, ओम पुरी, अमरीश पुरी, अनंत नाग, शबाना आजमी, स्मिता पाटिल और सिनेमेटोग्राफर गोविंद निहलानी प्रमुख हैं. जवाहरलाल नेहरू और सत्यजीत रे पर डॉक्युमेंट्री बनाने के अलावा उन्होंने दूरदर्शन के लिए धारावाहिक यात्रा, कथा सागर और भारत एक खोज का भी निर्देशन किया.

इंदिरा गांधी ने श्याम बेनेगल के बारे में कहा था कि उनकी फिल्में मनुष्यता को अपने मूल स्वरूप में तलाशती हैं. सत्यजीत रे के अवसान के पश्चात श्याम ने उनकी विरासत को संभाला है और इसे समकालीन संदर्भ प्रदान किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिवपुरी जिले की घटना पर दुःख व्यक्त किया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शिवपुरी जिले की बैराड़ तहसील के लक्ष्मीपुरा ग्राम के निवासी श्री वासुदेव बंजारा के घर में आग की घटना पर दुख व्यक्त किया है। इस घटना में पिता एवं दो बच्चों की असामयिक मृत्यु हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मृतकों के परिजन को प्रति मृतक 4-4 लाख रुपए की सहायता राशि मंजूर की है। प्रभावित परिवार को कुल 12 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि दी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परिवार के लिए अतिरिक्त राशन, मकान की क्षति और अन्य जरूरत के सामान आदि के लिए भी आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगत आत्माओं की शांति प्रार्थना और शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

श्योपुर में सुपोषण के संकेत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। केन्द्र सरकार द्वारा जारी प्रतियोगिता में श्योपुर देश में सुपोषण के लिए किए गए प्रयासों में द्वितीय स्थान पर रहा। महिला एवं बाल विकास विभाग की मुख्यमंत्री बाल आरोग्य संवर्धन योजना से बच्चों के पोषण पर सघन निगरानी रखी जा रही है। हर महीने हर बच्चे का पोषण स्तर जाना जा रहा है, और किसी भी विपरीत स्थिति में सुनियोजित ढंग से पोषण प्रबंधन किया जा रहा है। श्योपुर जिले में कार्यरत विभिन्न संस्थानों के बेस लाइन सर्वे एवं एंड लाइन सर्वे के आंकड़ों के अनुसार जिले में 10 वर्षों में अब तक कुपोषित बच्चों की श्रेणी में 90 प्रतिशत तक कमी आई है। पिछले वर्षों में आंगनवाड़ी की सेवाओं का लाभ लेने वालों में 80 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। 35 प्रतिशत घरों में पोषणबाड़ी का प्रचलन बढ़ा है। 30 प्रतिशत महिलाओं एवं बच्चों की आहार विविधता बढ़ी है। जहां 2020 में 906 बच्चे अति कुपोषित थे वहीं अब इस श्रेणी में मात्र 122 बच्चे हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग के सुपोषण के लिए किए गए प्रयासों के तहत सबसे पहले आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की क्षमता वृद्धि की गयी। कुपोषण को सरलता से पहचानना, कुपोषण चक्र को तोड़ना, आहार विविधता, भोजन एवं पोषण, स्वच्छता व्यवहार परिवर्तन, मोटे अनाज एवं पूरक पोषण आहार से विभिन्न प्रकार के बाल सुलभ आहार बनाना आदि पर नियमित प्रशिक्षण दिए गए, जिसके परिणाम स्वरूप आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने ग्रामीण महिला और पुरुषों को परामर्श देकर जन जागरूकता पर कार्य किया। अब जिले की कई आंगनवाड़ी केन्द्रों में मास्टर ट्रेनर हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे वर्ष 2005-06 के जारी आंकड़ों की तुलना में 5 वर्ष 2020-21 में जारी आंकड़ों से की जाए तो मध्यप्रदेश में कम वजन के मामले में 40 प्रतिशत एवं दुबलापन में 46 प्रतिशत तथा अति गंभीर दुबलापन में 48त्न तक कमी परिलक्षित हुई है। वहीं केन्द्र सरकार की पोषण ट्रैकर अनुसार वर्ष 2023- 24 में प्रदेश में 5.50 लाख बच्चे कम वजन की श्रेणी में चिन्हित हुए। इसी तरह श्योपुर में पांच साल से कम उम्र के कम वजन वाले बच्चों की संख्या में 37.7त्न की कमी आई है।

कौशल प्रशिक्षण योजनाओं पर मंत्रालय में कार्यशाला

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश एक नई क्रांति की ओर बढ़ रहा है। युवाओं के सपनों को साकार करने और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 23 दिसंबर 2024 को मंत्रालय में कौशल विकास पर आधारित एक वृहद कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इसमें 32 विभाग अपने कौशल विकास और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का प्रस्तुतीकरण देंगे। कार्यशाला आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की परिकल्पना को साकार करने का एक मजबूत प्रयास है, जिसमें विभागीय योजनाओं के समन्वय और नवाचारों पर चर्चा होगी। कार्यशाला में तकनीकी शिक्षा, औद्योगिक नीति, महिला बाल विकास, कृषि, ऊर्जा, और स्वास्थ्य जैसे विभागों द्वारा अपनी योजनाओं की प्रगति साझा करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मानना है कि हर युवा को कौशल के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना ही राज्य के विकास का आधार है। यह आयोजन न केवल युवाओं के हुनर को निखारने का मौका देगा, बल्कि उन्हें वैश्विक अवसरों के लिए भी तैयार करेगा। कार्यशाला में रोजगार आधारित नवाचारों और योजनाओं की समीक्षा के साथ एकीकृत पोर्टल विकसित करने पर भी चर्चा होगी। आयोजन राज्य में कौशल विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल साबित होगा और युवाओं को एक बेहतर और उज्जवल भविष्य की ओर ले जाएगा।

राज्य स्तरीय युवा उत्सव जनवरी-2025 में मनाया जायेगा-मंत्री सारंग

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि राज्य स्तरीय युवा उत्सव जनवरी-2025 में मनाया जायेगा। इसमें विभिन्न विधाओं में युवा प्रदर्शन कर सकेंगे। मंत्री श्री सारंग ने राज्य स्तरीय युवा उत्सव मनाने के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि विभिन्न सातों विधाओं में हमारे युवाओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये बेहतर तैयारी की जाये। युवा उत्सव में भाषण, विज्ञान मेला, कविता लेखन, कहानी लेखन, समूह लोकगीत, समूह लोकनृत्य और पेंटिंग सहित 7 विधाएं शामिल है।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि राज्य स्तरीय युवा उत्सव उत्साहपूर्वक मनाया जाये। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित अन्य गणमान्य

अतिथियों को भी आमंत्रित किया जाये। साथ ही सभी विधाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिये युवाओं को प्रोत्साहित किया जाये। मंत्री श्री सारंग को बताया गया कि सातों विधाओं के युवा राष्ट्रीय युवा उत्सव में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशा अनुरूप 15 से 29 वर्ष की आयु वर्ग के युवाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से 12 से 16 जनवरी के मध्य नई दिल्ली में 28वें राष्ट्रीय युवा उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसमें जिला स्तर पर 18 से 26 दिसम्बर तक चयन किया जा रहा है। संभाग स्तर पर 3 से 5 जनवरी तक उत्कृष्ट युवाओं का चयन होगा। राज्य स्तर पर 7 या 8 जनवरी को कार्यक्रम प्रस्तावित है। राज्य स्तरीय युवा उत्सव-2025 के विजेताओं को समूह विधा में प्रथम आने पर 6 हजार, द्वितीय को 4 हजार और तृतीय को 2 हजार रूपये की राशि प्रदान की जायेगी।

क्या है खुरासानी इमली? राजधानी के लोगों को जानने का अचूक मौका

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। क्या राजधानी भोपाल और अन्य जिलों के लोग जानते हैं कि माण्डू इमली या खुरासानी इमली क्या होती है। कैसे दिखती है। इसे देखने का अचूक मौका राजधानी भोपाल के लोगों को मिला है। इसे भोपाल में चल रहे अंतर्राष्ट्रीय वन मेले में देखा जा सकता है। यह दुर्लभ पेड़ है । मध्यप्रदेश राज्य वन अनुसंधान संस्थान और मध्यप्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड के परस्पर सहयोग से बाओबाब के पेड़ों के संरक्षण का ठोस प्रयास किया जा रहा है। इसका वनस्पतिक नाम है एडनसोनिया डिजिटाटा या अफ्रीकी बाओबाब। यह बाओबाब जाति की सबसे व्यापक रूप से फैली हुई वृक्ष प्रजाति है। यह अफ्रीकी महाद्वीप और दक्षिणी अरब प्रायद्वीप यानी यमन ओमान क्षेत्र का मूल प्रजाति है । यह एक बड़े गोल क्षेत्रयुक्त वृक्ष होते हैं। यह लंबे समय तक जीवित रहने वाले वृक्ष हैं। मध्यप्रदेश के धार जिले में ऐतिहासिक मांडू शहर भारत का एकमात्र स्थान है जहां बाओबाब के पेड़ बहुतायत में हैं । मांडू शहर की परिधि में करीब 1000 से 1200 पेड़ है। इतिहास में उल्लेख आता है कि बाओबाब पेड़ के बीज अफगान शासकों द्वारा या अरब व्यापारी द्वारा मांडू लाये गए थे जो 1400 ईस्वी के आसपास मांडू आए थे । बाओबाब वृक्ष को मांडू का विशेष वृक्ष माना गया है, इसलिए लोग इसे मांडू इमली भी कहते हैं। बाओबाब पेड़ स्थानीय लोगों के आय का साधन भी हैं। आश्चर्य की बात है कि हाल के दिनों में इन पेड़ों की संख्या में कमी आई है । मध्यप्रदेश राज्य सरकार ने इन पेड़ों के संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाया है। वैज्ञानिक जानकारी के अनुसार इन पेड़ों में समय-समय पर तने उगाने की क्षमता के कारण बाओबाब लंबे समय तक जीवित रह सकते हैं। रेडियोकार्बन डेटिंग से पता चला है कि कुछ पेड़ 2000 वर्षों से भी ज्यादा पुराने हैं।

जल वितरण प्रणाली को लीकेज प्रूफ बनाने के साथ रीवा के हर घर में शुद्ध जल सप्लाई सुनिश्चित करना है-उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि जल प्रबंधन के लिये इजरायल का नाम विश्व में विख्यात है। उनके अनुभव, प्रयासों और सुझावों से रीवा नगर निगम क्षेत्र में बेहतर जल प्रबंधन किया जायेगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि योजना का निर्माण भविष्य की आवश्यकताओं और मांग को ध्यान में रखकर किया जाये।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि रीवा शहर में जल वितरण प्रणाली को लीकेज प्रूफ बनाने के साथ हर घर में शुद्ध जल पहुँचना सुनिश्चित करना है। जल संग्रहण के साथ जल का संवर्धन भी भविष्य की मांग को पूरा

करने के लिये आवश्यक है। जल को उपचारित कर पुनः प्रयोग करना समय की मांग है और पर्यावरण अनुसंगत है। इसे ध्यान में रखते हुए योजना का निर्माण किया जाये। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने चार इमली स्थित निवास कार्यालय में नगर निगम रीवा में वाटर सप्लाई सुविधा के विस्तार, प्रबंधन और सशक्तीकरण के लिये इजराइल के प्रतिनिधि मंडल से चर्चा की। जल प्रबंधन और वितरण नेटवर्क सुदृढ़ीकरण पर इज़राइल के प्रतिनिधि मंडल ने अनुभव किये साझा इजरायल प्रतिनिधि मंडल ने बेहतर जल प्रबंधन और वितरण नेटवर्क सुदृढ़ीकरण पर अपने अनुभव को साझा किया। जल संसाधन प्रबंधन के लिये कृत्रिम और प्राकृतिक सोर्स का चिन्हांकन किया जाना महत्वपूर्ण है।

'संभावना' गतिविधि में हुई भोजपुरी गायन एवं नृत्य प्रस्तुति

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जनजातीय संग्रहालय में नियमित आयोजन %संभावना% के क्रम में रविवार को श्री प्रहलाद कुर्मी एवं साथी (सागर) द्वारा राई नृत्य, श्री केवल कुमार एवं साथी (अनूपपुर) द्वारा गोण्ड जनजातीय गुदुमबाजा नृत्य तथा श्री नागेंद्रनाथ पाण्डेय एवं साथी (आरा, बिहार) द्वारा भोजपुरी गायन की प्रस्तुति दी गई। संभावना'' गतिविधि में श्री प्रहलाद एवं साथियों द्वारा राई नृत्य की प्रस्तुति दी गई। यह नृत्य बुंदेलखंड के जनमानस का हर्ष और उल्लास अभिव्यक्त करता है। इस नृत्य में कलाकार फाग गा कर नृत्य करता है। राई के गीत ख्याल, स्वांग आदि कई प्रकार के होते हैं। मृदंग की थाप पर घुंघरुओं की झंकारती राई और उसके

साथ नृत्यरत स्वांग मनोरंजन के साथ परंपरा को व्यक्त करते हैं। राई नृत्य के साथ यहां विशेषत: सुप्रसिद्ध लोक कवि ईसुरी की फाग भी गाई जाती हैं।

श्री सुदीप एवं साथियों ने कठपुतली प्रदर्शन में अलग-अलग कहानियों के साथ पर्यावरण बचाओ, पर्यावरण एवं मानव के संबंध को दिखाया। साथ ही प्रकृति बचाओ का संदेश दिया। कहानी में बताया कि एक हरा-भरा पेड़ प्रकृति की हरियाली में गर्व से खड़ा है और मधुमक्खियां उसके चारों ओर घूमती हैं और उससे शहद ग्रहण करती हैं। एक दिन एक लालची आदमी आता है। वह अपनी आरी निकाल कर उस पेड़ को काटने लगता है और काम करते करते उसकी आरी टूट जाती है फिर उस मानव को प्रकृति को ठेस पहुंचाने का एहसास होता है।

कार्यक्रम में श्री केवल एवं साथियों द्वारा गोण्ड नृत्य प्रस्तुत किया। गुदुमबाजा नृत्य गोण्ड जनजाति की उपजाति ढुलिया का पारम्परिक नृत्य है। समुदाय में गुदुम वाद्य वादन की सुदीर्घ परम्परा है। विशेषकर विवाह एवं अन्य अनुष्ठानिक अवसरों पर इस समुदाय के कलाकारों को मांगलिक वादन के लिए अनिवार्य रूप से आमंत्रित किया जाता है। इस नृत्य में गुदुम, डफ, मंजीरा, टिमकी आदि वाद्यों के साथ शहनाई के माध्यम से गोण्ड कर्मा और सैला गीतों की धुनों पर वादन एवं रंगीन वेश-भूषा और कमर में गुदुम बांधकर लय और ताल के साथ, विभिन्न मुद्राओं में नृत्य किया जाता है।

सागर की लाखा बंजारा झील ने संरक्षण और सौंदर्यीकरण से प्रदेश में बनाई अनूठी पहचान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सागर शहर की ऐतिहासिक धरोहर लाखा बंजारा झील से सागर शहर की पहचान देश और प्रदेशभर में रही है। यह झील सागर शहर का प्रमुख जल स्त्रोत भी है। नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग के स्मार्ट सिटी मिशन में लाखा बंजारा झील का संरक्षण और सौंदर्यीकरण कार्य 111 करोड़ 33 लाख रूपये की लागत से किया गया है। सागर शहर की यह ऐतिहासिक झील सागर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा कायाकल्प के बाद अपने इस रोमांचित करने वाले नये स्वरूप में शहरवासियों के सामने उभरकर सामने आयी है। झील किनारे मंदिरों में जलगंगा आरती जैसा आयोजन नागरिकों में धार्मिक और आध्यात्मिक भावना को भी बढ़ाएगी। दूसरी ओर अत्याधुनिक खेल और मनोरंजन जैसी सुविधाएं पर्यटकों को मानसिक एवं शारीरिक सुकून प्रदान करेंगी। पर्यटकों के आने से रोजगार और आय के साधन बढ़ेंगे। स्मार्ट सिटी परियोजना में 400 एकड़ विशाल क्षेत्र में फैली लाखा बंजारा झील में वैज्ञानिक और तकनीकी रूप से कार्य किया गया है। झील के संरक्षण के लिये हाइड्रोलिक सर्वेक्षण किया गया है। सर्वेक्षण के जरिये झील के विभिन्न स्थलों पर पानी की गहराई, झील की भौतिक, रासायनिक और जैविक विशेषताओं की जानकारी एकत्र की गई। झील के जैव विविधता का ध्यान में रखते हुए झील के जल की गुणवत्ता की लेब में जांच की गई। लेब रिपोर्ट में झील के जल का टर्बिडिटी मान 82 जेटीयू से अधिक पाया गया, जो कि 2.5 जेटीयू से अधिक नहीं होना चाहिए। इस वजह से झील के संरक्षण के लिये झील के पानी को पूरी तरह खाली कर ग्रेविटी के माध्यम से झील के संरक्षण का कार्य शुरू किया गया।

मोटे अनाज कोदो-कुटकी, मक्का-बाजरा और जौ से बने व्यंजन आगंतुकों के मन को खूब भाये

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। वन विभाग एवं राज्य लघु वनोपज, सहकारी संघ मर्यादित द्वारा भोपाल के लाल परेड ग्राउण्ड पर अंतर्राष्ट्रीय वन मेले का आयोजन किया गया। मेले में प्रतिदिन लोगों का रुझान बढ़ता जा रहा है। मोटे अनाज कोदो-कुटकी, मक्का-बाजरा और जौ से बने व्यंजन आगंतुकों के मन को खूब भाये। वन मेले में आज 50 हजार से अधिक आगंतुकों ने भ्रमण किया। मेले में वन एवं हर्बल उत्पादों से निर्मित औषधियों की 40 लाख रुपये से अधिक की बिक्री हुई। अंतर्राष्ट्रीय वन मेले में 90 पारम्परिक एवं आयुर्वेदिक वैद्य चिकित्सकों से लगभग 450 आगंतुकों ने निःशुल्क चिकित्सीय परामर्श प्राप्त कर लाभ लिया। इस बार मेले में आँवला एवं आँवले से बने उत्पाद जैसे आँवला केण्डी,

अचार, सुपारी और शहद, हर्बल टी, अर्जुन चाय, गुड़ तथा बाँस के ब्रश से लेकर सोफा, कुर्सियाँ, लकड़ी के खिलौने, गुड्डे-गुड़िया एवं हर्बल जड़ी-बूटियों की माँग अधिक रही। लघु वनोपज संघ द्वारा सुदूर वनांचलों में निवासरत अनुसूचित जनजाति एवं अन्य समुदायों को बिचौलियों के शोषण से बचाने और उन्हें उचित लाभ दिलाने के लिये वनोपज विक्रय का लाभांश संग्राहकों को वितरित करने के निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। वन मेले के इस आयोजन ने बिक्री, आगंतुकों की संख्या एवं क्रेता-विक्रेता सम्मेलन के माध्यम से होने वाले एमओयू जैसे घटकों में गत वर्ष के मुकाबले दोगुनी सफलता हासिल की है। इस बार मेले में स्थापित 300 स्टॉलों से वन, हर्बल उत्पादों एवं औषधियों की बिक्री की जा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय वन मेले में चल रहे सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें फैंसी ड्रेस, सोलो एक्टिंग, महिला यूनिक बैण्ड की आकर्षक प्रस्तुति और एक शाम वन विभाग के नाम की मनमोहक प्रस्तुति दी गयी।

खेल एवं युवा कल्याण, सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग के मुख्य आतिथ्य और उच्च शिक्षा, आयुष, तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार की अध्यक्षता और वन राज्य मंत्री श्री दिलीप सिंह अहिरवार के विशिष्ट आतिथ्य में 7 दिवसीय वन मेले का समापन समारोह सोमवार सायं 5 बजे होगा। समापन समारोह में अपर मुख्य सचिव वन श्री अशोक वर्णवाल, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री असीम श्रीवास्तव, प्रबंध संचालक लघु वनोपज श्री विभाष कुमार ठाकुर और वन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

बच्चे पढ़ाई के साथ-साथ रचनात्मक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर लें हिस्सा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल नगर निगम महापौर श्रीमती मालती राय ने कहा है कि स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ रचनात्मक और कलात्मक गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिये। इसके लिये शिक्षक बच्चों को प्रोत्साहित करें। महापौर श्रीमती मालती राय आज राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में स्कूल शिक्षा विभाग के राष्ट्रीय बालरंग समारोह के समापन समारोह को संबोधित कर रही थीं। महापौर श्रीमती राय ने कहा कि राष्ट्रीय बालरंग में विभिन्न राज्यों के बच्चों की प्रस्तुतियाँ राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करती हैं। बच्चों को इस आयोजन से विभिन्न राज्यों की संस्कृति और विरासत को जानने का भी मौका मिलता है। कार्यक्रम

में इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के निदेशक प्रो. अमिताभ पाण्डे, संचालक लोक शिक्षण श्री डी.एस. कुशवाह और विभागीय अधिकारी श्री पी.के. सिंह भी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय बालरंग में 22 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के बच्चों ने अपने-अपने राज्य की संस्कृति पर आधारित लोक-नृत्य की प्रस्तुतियाँ दीं। प्रथम पुरस्कार पांडिचेरी के बच्चों को दिया गया। पुरस्कार स्वरूप एक लाख 11 हजार रुपये की राशि प्रदान की गयी। द्वितीय पुरस्कार हरियाणा के बच्चों को दिया गया। पुरस्कार स्वरूप 75 हजार रुपये की राशि दी गयी। तृतीय पुरस्कार केन्द्र शासित राज्य चण्डीगढ़ को दिया गया। उन्हें 51 हजार रुपये की राशि प्रदान की गयी। सांत्वना पुरस्कार मध्यप्रदेश और उत्तराखण्ड के बच्चों को उनके प्रदर्शन के लिये दिया गया। इन्हें 21-21 हजार रुपये की राशि दी गयी।

तीन दिवसीय राष्ट्रीय बालरंग में विजन-2047 प्रदर्शनी लगायी गयी थी। प्रदर्शनी में राजधानी भोपाल के बच्चों ने वर्ष 2047 के विजन के अनुरूप मॉडल प्रदर्शित किये। विकसित भारत अभियान पर विभिन्न राज्यों की संस्कृति को दर्शाती प्रदर्शनी लगायी गयी थी। इसके अलावा स्काउट कैम्प, हस्तशिल्प प्रदर्शनी और विभिन्न राज्यों के व्यंजनों के स्टॉल लगाये गये थे।

इनमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। बालरंग में तात्कालिक भाषण, प्रश्न-मंच, केलियोग्रॉफी, लोक-गीत, सुगम संगीत और निःशक्त बच्चों के लिये विशेष प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयीं।

चमरौहा, अमिलिया एवं सेमरी में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान अंतर्गत शिविर आयोजित

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से शत प्रतिशत पात्र हितग्राही लाभान्वित हों : विधायक

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित व्यक्तियों एवं अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को योजनाओं से लाभान्वित करने की मंशा से मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान प्रारंभ किया गया है। आप सभी बढ़ चढ़कर अभियान में हिस्सा लें ताकि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति को मिल सके। उक्त बातें विधायक सिहावल विश्वामित्र पाठक ने ग्राम पंचायत चमरौहा, अमिलिया एवं सेमरी में आयोजित मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान कार्यक्रम में हितग्राहियों को संबोधित करते हुए कही। कार्यक्रम में सर्वप्रथम मां सरस्वती जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं कन्यापूजन कर विधिवत शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक विश्वामित्र पाठक ने मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के उद्देश्य की जानकारी दी। उन्होंने अभियान में सम्मिलित 45 जनकल्याणकारी योजनाओं एवं प्रदाय की जाने वाली 63 सेवाओं के बारे में विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि आप लोग योजनाओं की जानकारी लेकर पात्रतानुसार आवेदन करें आपका आवेदन पंजीकृत कर पोर्टल पर दर्ज होगा। शिविर में निराकरण योग्य आवेदनों का निराकरण यहीं पर कराकर आपको हितलाभ दिया जाएगा। शेष आवेदनों का निराकरण 26 जनवरी 2025 के पूर्व कराकर आपको योजना से लाभान्वित एवं सूचित किया जाएगा। आवेदन अस्वीकृत की दशा में भी अस्वीकृत के कारण से अवगत कराया जाएगा। क्षेत्रीय विधायक ने उपस्थित अधिकारियों कर्मचारियों से कहा कि इस अभियान में गठित संपर्क दल घर-घर जाकर योजनाओं एवं अभियान की जानकारी दे एवं पात्रतानुसार आवेदन ले ताकि कोई भी पात्र हितग्राही योजनाओं से वंचित न रहे। अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार कराएं जिससे योजनाओं से वंचित व्यक्तियों को जानकारी मिल सके एवं आवेदन कर पात्रतानुसार लाभ ले सकें। शिविर में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र, लाडली लक्ष्मी योजना के प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

उपखण्ड अधिकारी एस पी मिश्रा ने मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान में शामिल योजनाओं एवं प्रदाय की जाने वाली सेवाओं से अवगत कराते हुए कहा कि आप सभी अपनी समस्याओं आवश्यकताओं से संबंधित आवेदन निर्धारित स्टाल में दें, आपके आवेदन का पंजीयन पोर्टल पर होगा। आवेदन पर क्या कार्यवाही ध्निराकरण हुआ अवगत कराया जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से धर्मी पटेल सरपंच चमरौंहा, पार्वती वर्मा सरपंच अमिलिया, उषा पटेल सरपंच सेमरी, रविशंकर मिश्रा अभियान प्रभारी सिहावल, साक्षी गौतम तहसीलदार सिहावल, अखिलेश तिवारी प्रबंधक एनआरएलएम, अनुसुइया वाजपेई सीडीपीओ, सिद्दार्थ गौतम, जय शंकर द्विवेदी, कपूरचंद्र शाहू, गजराज सिंह, उषागोपाल पटेल, अनिल गुप्ता, प्रदीप शुक्ला, भोले सिंह, खण्ड स्तरीय अधिकारी कर्मचारी, हितग्राही बंधु, गणमान्यजन उपस्थित रहे।

3 जनवरी से लगेगा बाल हृदय रोगियों का विशेष शिविर

जिला अस्पताल में होगा नि:शुल्क इलाज

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। अनूपपुर में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत एसईसीएल और निजी हॉस्पिटल रायपुर के सहयोग से जिले के 0 से 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र के सभी छूटे हुए जन्मजात बाल हृदय रोगियों के लिए विशेष जांच कैंप लगाए जा रहा हैं। यह कैंप 3 जनवरी को जिला चिकित्सालय परिषद में आयोजित की जाएगी।

मुख्यमंत्री बाल हृदय योजना और एसईसीएल की धड़कन योजना के अंतर्गत उपचार के लिए विशेष हृदय रोग जांच कैंप का आयोजन 3 जनवरी 2025 को प्रातः 10 बजे से जिला अस्पताल अनूपपुर के कमरा नम्बर 5 में आयोजित किया गया है।

इस संबंध में आरबीएसके के नोडल अधिकारी डॉ. एसएन पिटानिया ने बताया है कि विशेष हृदय रोग जांच कैम्प में आने वाले हितग्राहियों को अपने साथ जन्म प्रमाण पत्र, हितग्राही का आधार कार्ड, माता-पिता का आधार कार्ड, हितग्राही का आयुष्मान कार्ड, समग्र आईडी, राशन कार्ड की छायाप्रति, निवास एवं आय प्रमाण पत्र, हितग्राही का वर्तमान समय का पासपोर्ट आकार की तीन फोटो, जिला अस्पताल की 3 जनवरी 2025 की ओपीडी पंजीयन पर्ची, पूर्व में कराई गई जांच और उपचार पर्चियों के आवश्यक दस्तावेज लाना अनिवार्य है।

जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा 18 जनवरी को

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। प्रभारी प्राचार्य जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट ने जानकारी देकर बताया है कि जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट के कक्षा 6वीं में सत्र 2025-26 में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन के माध्यम से भरा जा चुका है। कक्षा 6वीं के प्रवेश हेतु 18 जनवरी को परीक्षा का आयोजन होने जा रहा है। समस्त प्रतिभागियों को सूचित किया गया है कि इस वेबसाइट के माध्यम से प्रतिभागी अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं और आवेदन भरते समय किसी भी प्रकार की विसंगति/त्रुटि/गलती हो गयी हो तो नवोदय विद्यालय चुरहट में मूल दस्तावेजों के साथ 05 जनवरी तक उपस्थित होकर विसंगति/त्रुटि/गलती सुधार करा सकते हैं।

मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें : सीईओ

समय सीमा बैठक सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। समय-सीमा पत्रों की समीक्षा करते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज ने कहा कि प्रदेश में 11 दिसम्बर 2024 से 26 जनवरी 2025 तक मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान तथा 11 दिसम्बर से 26 दिसम्बर 2024 तक जन कल्याण पर्व मनाया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य केन्द्र सरकार और राज्य सरकार की सभी हितग्राहीमूलक योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को शत-प्रतिशत लाभान्वित करना है। अभियान के दौरान प्रत्येक ग्राम पंचायत और नगरीय निकाय के प्रत्येक वार्ड में शिविर लगाकर हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा। इन शिविरों में भी यदि हितग्राही लाभ पाने से वंचित रह गए तो उन्हें 26 जनवरी 2025 के पूर्व लाभान्वित किया जाएगा। सीईओ जिला पंचायत ने अभियान का जिले में प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

सीईओ जिला पंचायत ने निर्देशित किया है कि चेकलिस्ट अनुसार प्रत्येक घर का सर्वे कर छूटे हुए पात्र हितग्राहियों का चिन्हांकन किया जाए। प्रत्येक परिवार के लिए जनकल्याण कार्ड बनाया जाए जिसमें उन्हें किन योजनाओं का लाभ मिल रहा है, प्रदर्शित किया जाए। अभियान के दौरान 70 वर्ष की आयु से अधिक प्रत्येक व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनाया जाना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही अधिक से अधिक हितग्राहियों की टीबी सैम्पलिंग करना सुनिश्चित करें। अभियान के दौरान ही सभी हितग्राहियों का समग्र ई-केवाईसी सुनिश्चित करें। सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की समीक्षा करते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने निर्देशित किया है कि सभी विभाग प्रमुख सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों की नियमित समीक्षा कर संतुष्टि पूर्वक निराकरण कराया जाना सुनिश्चित करेंगे। सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि सभी विभाग सीएम हेल्पलाइन के शिकायतों के निराकरण के लिए विभागीय व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करें तथा निगरानी तंत्र को व्यवस्थित करें। विकासखंड स्तर पर एसडीएम सीईओ जनपद तथा संबंधित विभागों के साथ बैठक करके शिकायतों का निराकरण कराना सुनिश्चित करें। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को गंभीरता से लें और समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण दर्ज करे। समाधान ऑनलाइन में चयनित विषयों तथा 100 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों को प्राथमिकता पर निराकृत करने के निर्देश दिए गए हैं। सीईओ जिला पंचायत ने सीपीग्राम में दर्ज सभी शिकायतों का शतप्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

सीईओ जिला पंचायत ने खरीफ उपार्जन केंद्रों का सतत निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि किसानों से निश्चित मात्रा में खरीदी की जाए। प्रत्येक वारदाने में निश्चित मात्रा की ही तौल की जाए। उन्होंने बारिश की संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए सभी उपार्जन केंद्रों से धान का परिवहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उपार्जन केंद्रों में भी धान को सुरक्षित रखने के सभी उपाय सुनिश्चित किए जाएं।

सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि जल जीवन मिशन के कार्यों की विकासखंडवार विस्तृत समीक्षा की जाएगी। उन्होंने बैठक के लिए निर्देश जारी करने तथा जानकारी के साथ उपस्थित रहने के लिए निर्देशित किया है। उन्होंने नहरों से पानी की निर्बाध सप्लाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।उन्होंने बाल श्रम के विरुद्ध जिले में अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। सीईओ जिला पंचायत ने गौशालाओं का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, सिहावल एसपी मिश्रा, कुसमी प्रिया पाठक, मझौली आर पी त्रिपाठी सहित सभी विभागों के जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

हादसे में एक युवक की मौत, दूसरा घायल

पार्टी कर घर लौटते समय अनबैलेंस होकर बुलेट दीवार में घुसी थी

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। छतरपुर के सिविल थाना क्षेत्र की चौबे कॉलोनी में रविवार रात पार्टी कर घर लौट रहे दो युवक हादसे का शिकार हो गए। एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल है। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस ने मामले की जांच में लिया है।

पार्टी करके घर वापस लौट रहे थे

पड़रिया गांव का रहने वाला उदय सिंह परमार (24) रेती का कारोबार करता था। वह रानी दुर्गावती स्कूल के पास किराए से रहता था। रविवार रात वह अपनी बुलेट से झांसी निवासी दोस्त दुष्यंत सिंह के साथ पार्टी करने गया था। रात 11 बजे वापस लौटा। घर से कुछ दूर दुर्गावती स्कूल के पास मोड़ पर बुलेट अनियंत्रित होकर दीवार से टकरा गई। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

लोगों ने घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने उदय सिंह को मृत घोषित कर दिया। दोस्त विक्की ने बताया कि हादसा घर से कुछ दूर हुआ। सिविल लाइन थाना प्रभारी वाल्मीकि चौबे ने बताया कि दो युवक बाइक से गिर गए थे, जिसमें एक की मौत हो गई है, दूसरे का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

किसान से हुई ठगी का मामला, किसान क्रेडिट कार्ड लोन दिलाने के नाम पर उठाए 4 लाख, एक आरोपी गिरफ्तार, दो फरार

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। सिंगरौली जिले में किसान क्रेडिट कार्ड के नाम पर किसानों से धोखाधड़ी करने वाले एक दलाल को चितरंगी थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जबकि इसमें बैंक मैनेजर और एक व्यापारी फरार है, जिनकी पुलिस तलाश कर रही है। चितरंगी थाना प्रभारी सुरेंद्र यादव ने बताया कि 24 नवंबर 2024 को चितरंगी के रहने वाले राजकुमार गोड ने इस बात की शिकायत दर्ज कराई थी कि त्रिवेणी सिंह बारगाही और तत्कालीन यूनियन बैंक के मैनेजर मैनेजर ने उनके साथ क्रेडिट कार्ड लोन के नाम पर धोखाधड़ी की है। इस प्रकरण की पुलिस लगातार विवेचना कर रही थी। मामले में पुलिस अधीक्षक द्वारा दो-दो हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया गया था।

विवेचना के दौरान 22 दिसंबर को पुलिस ने त्रिवेणी सिंह बारगाही को गिरफ्तार किया और उससे पूछताछ की जिस पर पता चला कि यूनियन बैंक चितरंगी शाखा के तत्कालीन मैनेजर राशिद खान और डॉक्टर प्रसाद शुक्ल के साथ मिलकर किसान क्रेडिट कार्ड लोन पर राजकुमार गोड की जमीन के कागज लिए और लूज चेक पर हस्ताक्षर करवाकर 4 लाख 90 हजार का लोन पास कराया।

किसान को महज एक लाख रुपए दिए जबकि 3 लाख 90 हजार का अधिकांश हिस्सा त्रिवेणी सिंह बारगाही, बैंक मैनेजर और डॉक्टर प्रसाद शुक्ल ने अपनी फॉर्म शुक्ला आयरन के खाते में जमा करा लिए और राशि का बंदरबांट कर लिया। जिसके आधार पर पुलिस ने सोमवार को त्रिवेणी सिंह बारगाही को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। शेष दोनों आरोपियों की पुलिस तलाश कर रही है।

सुशासन सप्ताह अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सुशासन सप्ताह के अवसर पर अपर कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी अंशुमन राज की अध्यक्षता में जिलास्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि प्रत्येक वर्ष 25 दिसंबर को सुशासन दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष भारत सरकार द्वारा 19 से 24 दिसंबर 2024 तक सुशासन सप्ताह मनाया जाने का निर्णय लिया गया है। प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग भारत सरकार द्वारा सुशासन सप्ताह हेतु दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। सुशासन सप्ताह के अंतर्गत प्रशासन गाव की ओर 2024 अभियान चलाया जा रहा है जिसमें जन समस्याओं का निराकरण किया जाकर अधिक से अधिक व्यक्तियों को सेवाओं का लाभ प्रदान किया जाना है। उन्होने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकार के विभागों की सक्रिय भागीदारी और समर्थन के साथ सुशासन को बढ़ावा देना है। सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि अभियान के दौरान विशेष शिविरों में निवारण की गई शिकायतों की संख्या, सी.पी.जी.आर.ए.एम. एस. में निवारण की गई शिकायतों की संख्या, सी.एम. हेल्पलाइन पोर्टलों पर निवारण की गई शिकायतों की संख्या, लोक सेवा गारंटी के अंतर्गत निराकृत की गई सेवाओं की संख्या, निराकृत किए गए सेवा वितरण आवेदनों की संख्या, सुशासन की श्रेष्ठ प्रथाओं का संकलन कर उन्हें पोर्टल पर चित्र सहित साझा करना, सार्वजनिक शिकायतों के समाधान पर सफलता की कहानियाँ का विवरण दैनिक प्रगति पोर्टल पर फीडिंग की जाएगी।

स्कूल बस ने दो को मारी टक्कर

स्थानीय लोगों ने पहुंचा घायलों को अस्पताल

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। सिंगरौली जिले के बैढ़न जिला मुख्यालय थाना रोड पर आज दोपहर एक बेकाबू स्कूल बस चालक ने दो राहगीरों को टक्कर मार दी। जिसके चलते दोनों ही राहगीर गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों राहगीर बैढ़न के ही रहने वाले हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार बस क्रमांक एमपी 09 परिवार 1798 जिस पर संजय मिडिल स्कूल सिद्धि खुर्द सिंगरौली लिखा हुआ है। वह बैढ़न थाने की तरफ से तेजी से आई और राजीव कॉम्प्लेक्स के पास सड़क पर चल रहे दो लोगों को टक्कर मार दी। मौके पर दोनों ही राहगीर अचेत अवस्था पर सड़क में गिर गए, जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से जिला अस्पताल इलाज के लिए भेजा गया है।

थाने नहीं पहुंची शिकायत: जहां दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। हालांकि इस मामले की रिपोर्ट अभी तक थाने में नहीं की गई है। लेकिन इसमें स्कूल बस चालक की लापरवाही बताई जा रही है और ऐसा तब हुआ जब स्कूल बस में बच्चे भी सवार थे। यातायात पुलिस का कहना है कि अगर कोई भी पक्ष थाने में आकर शिकायत करता है तो बस संचालक के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी में शुभारम्भ हुआ राज्य स्तरीय खो-खो (महिला) प्रतियोगिता

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी में दो दिवसीय राज्य स्तरीय महिला खो-खो प्रतियोगिता का शुभारंभ डॉ. आर.पी. सिंह क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक रीवा-शहडोल संभाग के मुख्य अतिथ्य में शुरू हुआ। प्रतियोगिता में कुल 09 टीमों भोपाल सागर, इन्दौर, रीवा, जबलपुर, छिदवाड़ा, छतरपुर, खरगोंन, उज्जैन ने प्रतिभाग किया। मैच का उद्घाटन खरगोंन और भोपाल की टीम के मध्य प्रतियोगिता प्रारंभ करके किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ सिंह ने अपने उद्बोधन में खेल को मानसिक शारीरिक और सामाजिक विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। विशिष्ट अतिथि के रुप में अमलेश्वर चतुर्वेदी ने अपने वक्तव्य में खेलों में अनुशासन की भावना को बनाए रखने पर बल दिया। उक्त प्रतियोगिता में विशिष्ट अतिथि के रुप में मेजर डॉ. विभा श्रीवास्तव प्राचार्य शा. कन्या महाविद्यालय रीवा, डॉ. रावेन्द्र बहादुर सिंह चौहान विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र सं.गॉ. स्मृति शा. महाविद्यालय सीधी, डॉ. सुरेन्द्र बहादुर सिंह पूर्व प्राचार्य शा. कन्या महाविद्यालय सीधी, मीना गुप्ता वरिष्ठ अधिवक्ता एवं समाज सेविका सीधी, डॉ. विनोद प्रजापति विभागाध्यक्ष गणित सं.गॉ. स्मृति महाविद्यालय सीधी, डॉ. विनोद राय वरिष्ठ क्रीड़ा अधिकारी सीधी एवं सिंगरौली उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. ओ.पी. नामदेव प्राचार्य शा. कन्या महाविद्यालय, सीधी के द्वारा की गई। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. नामदेव ने समस्त अतिथियो का स्वागत करते हुए प्रतिभागियों में बेहतर प्रदर्शन हेतु प्रेरणा एवं शुभकामना दी।

मंच संचालन डॉ. हरिचरण अहिरवार एवं डॉ. दिलीप कुमार सोनी द्वारा किया गया। उक्त प्रतियोगिता के आयोजन सचिव अजय कुमार यादव क्रीड़ा अधिकारी शा. कन्या महाविद्यालय सीधी ने प्रतियोगिता का विवरण प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता के आयोजन मण्डल में मुख्य रुप से रीवा संभाग के समस्त क्रीड़ा अधिकारी व सीधी अग्रणी महाविद्यालय के डॉ. रवीन्द्र नाथ सिंह, कन्या महाविद्यालय के डॉ. देवेन्द्र कुमार सोनी, डॉ. राजेश कुमार साहू, डॉ. प्रतिमा कौल, डॉ. आका सिंह तिवारी, कैलाश वर्मा, डॉ. बालेन्द्र पटेल, डॉ. सतेन्द्र उपाध्याय, प्रो. पुष्पेन्द्र कुमार शाह, डॉ. विनोद साकेत, लेफ्टीनेंट यू.के. साहू, सिया सिंह, दुर्गा सिंह, अनिल सिंह, मान सिंह सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहे। समाचार लिखे जाने तक शुरुआती मैचों में खरगौन वर्सेज भोपाल मे भोपाल विजेता रही, रीवा वर्सेज छतरपुर में रीवा विजेता रही तथा रानी अवन्ती बाई वि.वि. सागर को ग्वालियर से वाकओवर प्राप्त हुआ। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के सेमीफाइनल व फाइनल मैच 24 दिसम्बर 2024 को खेले जाएँगे।

डॉ सुनील पांडेय अभाविप के प्रांत अध्यक्ष व माखन शर्मा प्रांत मंत्री निर्वाचित

मीडिया ऑडीटर, रीवा निप्र। डॉ सुनील पांडेय रीवा और माखन शर्मा जबलपुर विश्व के अग्रणी छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, महाकोशल प्रांत के क्रमशः प्रांत अध्यक्ष एवं प्रांत मंत्री के रूप में सत्र 2024-25 हेतु निर्विरोध पुनः निर्वाचित हुए है। यह घोषणा अभाविप प्रांत कार्यालय जबलपुर से की गई। अभाविप के महाकोशल प्रांत कार्यालय से आज चुनाव अधिकारी डॉ. संदीप खरे द्वारा जारी वक्तव्य के अनुसार इन दोनों के पद का कार्यकाल एक वर्ष रहेगा एवं दोनों पदाधिकारी दिनांक 29 से 31 दिसंबर 2024 को आयोजित अभाविप के 57वां प्रांत अधिवेशन में अपना पदभार ग्रहण करेंगे। डॉ. सुनील पांडेय रीवा के निवासी है। वर्ष 2014 से अभाविप के सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में कार्य कर रहे है।

विचार

आरएसएस की धर्मनिरपेक्ष छवि बनाने के मिशन में जुटे हैं भागवत

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखिया जिन्हें आमतौर पर सरसंघचालक के रूप में संबोधित किया जाता है, मोहन भागवत क्या धर्मनिरपेक्षता के फेर में फंस गए हैं ? क्या आरएसएस के मुखिया संघ की धर्मनिरपेक्ष छवि बनाने के मिशन में जुटे हुए हैं ? यह सवाल इसलिए खड़े हो रहे हैं क्योंकि मोहन भागवत लगातार और बार-बार मंदिर-मस्जिद को लेकर बयान दे रहे हैं। राम मंदिर आंदोलन को पूरी तरह से समर्थन देने वाला वो संगठन (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) जिसने अयोध्या में राम मंदिर के आंदोलन को घर घर का आंदोलन बनाने के लिए अपने अनुषांगिक संगठन विश्व हिंदू परिषद को पूरी ताकत से मैदान में उतार दिया था और अपने राजनीतिक संगठन भारतीय जनता पार्टी को इसे देश की राजनीति का सबसे बड़ा मुद्दा बनाने में भरपूर मदद की थी। उसी संघ के मुखिया, सरसंघचालक मोहन भागवत आज कह रहे हैं कि हर मस्जिद के नीचे मंदिर को तलाशने की मुहिम बंद होनी चाहिए। कुछ नेता मंदिर-मस्जिद का मसला उठा कर हिंदुओं का बड़ा नेता बनना चाहते हैं। संघ प्रमुख के इस तरह के कई बयान पिछले कुछ महीनों से लगातार सुर्खियां बनते नजर आ रहे हैं। यही वजह है कि अब यह सवाल उठने लगा है कि क्या मोहन भागवत संघ की छवि धर्मनिरपेक्ष बनाने के अभियान में जुटे हुए हैं ? क्या संघ प्रमुख यानी सरसंघचालक का पद छोड़ने से पहले मोहन भागवत संघ को एक ऐसी संस्था का स्वरूप देना चाहते हैं, जिसे हिंदुओं के साथ-साथ भारत में रहने वाला हर मुसलमान और ईसाई भी अपना संगठन माने ? कुछ लोगों के लिए मोहन भागवत का यह स्टैंड जरूर अनोखा और नया होगा ? भाजपा से पिछले कुछ वर्षों के दौरान जुड़े नए लोग खासतौर से सोशल मीडिया पर सक्रिय भाजपा के नए कैडर के लोग इसे लेकर मोहन भागवत की आलोचना करते भी नजर आने लगे हैं। हालांकि संघ की राजनीति और कार्यकलाप को लंबे समय से देखने वाले समझदार विश्लेषक यह बात अच्छी तरह से समझ रहे हैं कि संघ के अंदर आखिर चल क्या रहा है ? वे इस बात को भी बखूबी समझ रहे हैं कि यह कोई पहला मौका नहीं है, जब संघ अपनी छवि को बदलने का प्रयास कर रहा है। दरअसल, 90 के दशक में लालकृष्ण आडवाणी के पीछे होने और अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर स्वीकार्यता बढ़ने के साथ ही संघ के अंदर के एक बड़े खेमे को यह समझ आ गया था कि भारत में अगर भाजपा को कांग्रेस की तरह लंबे समय तक शासन करना है तो उसे सभी धर्मों को साथ लेकर चलना ही होगा।

बायोहैकिंग क्या है? भारत में इसका प्रचलन कैसे बढ़ा?

कमलेश पांडे

लाइफ इज मिंट फ़ॉर जॉय यानी जीवन जीने के लिए है। लेकिन कुछ लोग प्राकृतिक और शारीरिक परिस्थितियों में मनमाफिक बदलाव लाकर ज्यादा से ज्यादा जीने की कोशिशों में जुटे हुए हैं। इनके लिए 'बायोहैकिंग' एक ऐसा शद बन चुका है जो शरीर की काम करने की क्षमता को बेहतर बनाने और उम्र बढ़ाने के तरीकों से जुड़ा हुआ है। इसलिए अब दुनिया के लोग इस पर फिदा होते जा रहे हैं। भारत में भी बायोहैकिंग के दीवाने बढ़ रहे हैं। जानकारों का कहना है कि विश्वविद्यालयों में बायोसाइंसेज और हेल्थ रिसर्च से जुड़े छात्रों में इस नवीनतम ज्ञान और शोध के प्रति दिलचस्पी बढ़ी है। इस बारे में लोग पूछताछ कर रहे हैं।

बता दें कि बायो और हैकिंग नामक दो शब्द सेहत से जुड़ी बायोलॉजिकल प्रक्रियाओं को प्रभावित करते हैं। ये भले ही नॉन-ट्रेडिशनल हैं और अभी मेडिकली इस पर मुहर नहीं लगी है। फिर भी इनके पीछे कुछ वैज्ञानिक साक्ष्य हैं, जो क्लिनिकल प्रैक्टिस में आने के लिए यह काफी नहीं है। हालांकि, इसके व्यक्तिगत अनुप्रयोग में इजाफा देखा जा रहा है, जो खतरे से खाली नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स भी इस बात की चुगली कर रही हैं कि मौत को मात देने के इस नए ट्रेंड का भारत में प्रचलन बढ़ रहा है। यहां बायोहैकिंग का क्रेज़ इतना है कि रोज इसके अनुगामियों की संख्या बढ़ रही है। अब तो डाइटिंग के साथ प्राकृतिक चिकित्सा उपायों और योग-ध्यान से जुड़े रहस्यों के साथ भी इसे जोड़ा जाने लगा है।

आपको पता होगा कि महज 47 साल के अमेरिकी बायोहैकर और उद्यमी ब्रायन जॉनसन इन दिनों %मौत को मात% देने पर तुले हुए है। हाल ही में वो भारत भी आए थे।यहां पर भी उन्होंने अपना %एज-रिवर्सिंग ब्लूप्रिंट प्रोटोकॉल% लॉन्च किया, जिसमें ढेर सारे सप्लीमेंट्स, टेस्ट, एक्सपेरिमेंट्स, खास तरह का डाइट प्लान और एलईडी लाइट एक्सपोजर जैसे तमाम उपायों के सहारे जीवन प्रत्याशा बढ़ने-बढ़ाने के दावे किए गए हैं। एक अंग्रेजी दैनिक के मुताबिक, भारत में भी ऐसे लोगों का एक बड़ा समूह (ग्रुप) बन गया है, जो अपने शरीर और दिमाग को बेहतर बनाने के लिए हर तरह के उपाय लगा रहे हैं। इनमें कड़ाके की ठंड में बर्फ स्नान से लेकर रेड लाइट थेरेपी और ढेर सारे सप्लीमेंट्स का इस्तेमाल तक शामिल है। यही नहीं, कुछ लोगों के रूटीन में हाइपरबेरिक ऑक्सीजन थेरेपी शामिल है। वहीं, कुछ लोग इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगें पैदा करने वाले उपकरणों से अपनी आयु बढ़ाने के जतन में जुटे हुए हैं।

इसलिए आज मैं अपने इस आलेख के माध्यम से आपको यह बताने की कोशिश कर रहा हूँ कि आखिर बायोहैकिंग में क्या होता है? जानकार बताते हैं कि भारत में बढ़ते बायोहैकर कम्युनिटी के पास भले ही जॉनसन जैसा मोटा बजट न हो, लेकिन वे लोग सेहत को बेहतर बनाने के लिए अपने-अपने तरीके आजमा रहे हैं जो खतरे से खाली नहीं है, क्योंकि यह आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के द्वारा प्रमाणित नहीं है। इससे जुड़ी कोई शोध रिपोर्ट्स भी अबतक नहीं आई है। हालांकि कुछ बायोहैक्स तो बहुत आसान हैं, जैसे ध्यान, उपवास, सप्लीमेंट्स लेना, धूप में बैठना और एक्सरसाइज करना। लेकिन इस क्षेत्र में कई तरह के अनुप्रयोग भी किए जा रहे हैं। मिसाल के तौर पर, जॉनसन ने अपने बेटे के साथ प्लाज्मा और ब्लड स्वैप किया। वहीं, चेहरे में डोनर फैट इंजेक्शन भी लगाया, जो कामयाब नहीं रहा।

सवाल है कि भारत में बायोहैकिंग का चलन कैसे विकसित और प्रचलित हुआ? क्योंकि बायोहैकिग आधुनिक दवाइयों के परिणाम से नाखुशी मतलब साइड इफेक्ट्स की वजह से विकसित हुआ है। समझा जाता है कि लंबी उम्र या सेहतमंद जीवन जीने की बढ़ती दिलचस्पी ही लोगों को बायोहैकिंग की तरफ आकर्षित कर रही है। बताया जाता है कि जहां भारत में डिकोड एज के को-फाउंडर राकेश सोमानी ने दस साल पहले अपनी परफॉर्मेंस बेहतर बनाने के लिए बायोहैकिंग शुरू किया था। वहीं, लोग तरह-तरह के अनुप्रयोग कर रहे हैं और अपने अनुभवों को भी सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं।

कुछ लोग बर्फ के पानी में डुबकी लगाते हैं; वो भी तब, जबकि दिल्ली में कड़ाके की सर्दी पड़ रही हो। क्योंकि इनका मानना है कि आइस बाथ यानी बर्फ स्नान से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और व्यायाम के बाद रिकवरी अच्छी होती है। इससे दिमाग भी ज्यादा मजबूत बनता है। वहीं, कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिन्होंने ग्लूटेन, कॉर्न, डेयरी और प्रोसेस्ड फूड आदि छोड़ दिए हैं। इनका डिनर शाम छह-सात बजे तक खत्म हो जाता है।

ऐसे लोग स्किन हेल्थ, मसल्स रिकवरी के लिए रेड लाइट थेरेपी का भी इस्तेमाल करते हैं। वहीं, योग के अलावा तनाव को कंट्रोल में रखने के लिए न्यूरोफीडबैक के रूटीन को पूरा करते हैं। वहीं कुछ लोग हफ्ते में दो बार 23 घंटे का उपवास करते हैं। इनकी प्रक्रियाओं में प्रोटीन लेना, ढेर सारे सप्लीमेंट्स, क्रायोथेरेपी (जबरदस्त ठंड में रहना), एंटी-एजिंग ड्ढ्ढ ड्रिप्स और रेड लाइट थेरेपी आदि शामिल हैं, जो इनके प्रयोगकर्ताओं के रूटीन में शामिल हो चुके हैं।

दिलचस्प बात तो यह है कि ऐसे लोग यह सब कुछ करते हुए भी रोज महज छह घंटे ही सोते हैं और अपनी प्रोग्रेस ट्रैक करने के लिए डिवाइस भी पहनते हैं। वहीं कुछ लोग

धूप में बैठते हैं, घास पर नंगे पैर चलते हैं, रेड लाइट थेरेपी करते है, ग्राउंडिंग मैट्स का इस्तेमाल करते हैं। वह ब्लू-लाइट ब्लॉकिंग ग्लासेज पहनते हैं, ताकि लंबा जीवन जी सकें। ये लोग पेट के माइक्रोबायोम का एनालिसिस भी करवाते हैं और अपने ब्लड एज भी चेक कराते है। कहने का तातपर्य यह कि लोग अपने जीवन को, आयु को बढ़ाने के लिए इतने सारे यत्न प्रयत्नपूर्वक करते हैं।

हालांकि, इनकी बढ़ती गतिविधियों से कुछ लोगों के मनोमस्तिष्क में यह सवाल भी पैदा हो रहा है कि क्या बायोहैकिंग नुकसानदेह भी हो सकता है? इसको स्पष्ट करते हुए सीएसआईआर इंस्टिट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी के एक्सपर्ट बताते हैं कि %बायोहैकिंग एक खतरनाक रास्ता भी हो सकता है, क्योंकि ज्यादातर बायोहैकिंग क्रियाएं बिना खतरों को देखे, महसूस किए ही किये जाते हैं। वो वजन कम करने के लिए डायबिटीज की दवा ओजेम्पिक (ह्र5द्गद्वश्चद्बष्) के हालिया चलन का उदाहरण देते हुए कहते हैं कि यह दवा अत्यधिक मोटापे और मेडिकल कॉम्प्लिकेशन्स से जूझ रहे लोगों के लिए तो अच्छी हो सकती है। लेकिन जब कोई फ़िल्म स्टार अपना थोड़ा सा वजन करने के लिए यही दवा लेता है, तो ये हैकिंग है। ये इसका समर्थन नहीं करते हैं, क्योंकि ये इसके दीर्घकालीन प्रभावों व उसके नतीजों के बारे में नहीं जानते हैं।

एक उदाहरण देते हुए उन्होंने समझाया कि एक समय में भूख कम करने वाली गोलियां बहुत ज्यादा चलती थीं, लेकिन जब बाद में पता चला कि इनसे पल्मोनरी हाइपरटेंशन का खतरा बढ़ता है, जो जानलेवा भी हो सकता है, तो उसके सेवन पर अपने आप रोक लग जाती है।

बहरहाल, आप मानें या न मानें, लेकिन इतना तो समझना ही होगा कि हमारा शरीर हमेशा के लिए जीने के लिए नहीं बना है। इसलिए कोई भी जुनून मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बुरा हो सकता है। अत: बेहतर यही होगा कि जीवन प्रत्याशा बढ़ाने के लिए अब तक हुए या हो रहे शोध रिपोर्ट्स पर गौर करें और उसके मुताबिक अपनी आदतें विकसित करें। अन्यथा नीम हकीम खतरे जान वाली नौबत भी आ सकती है। इसलिए सावधानी पूर्वक हरेक पहल करें और आगे बढ़ें।

किसानो कि बुलंद आवाज़ थे चौधरी चरण सिंह

रमेश सर्राफ धमोरा

देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह एक व्यक्ति नहीं विचारधारा थे। चौधरी चरण सिंह ने हमेशा यह साबित करने की कोशिश की थी कि किसानों को खुशहाल किए बिना देश का विकास नहीं हो सकता। उनकी नीति किसानों व गरीबों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने की थी। वो कहते थे कि देश की समृद्धि का रास्ता गांवों के खेतों और खलिहानों से होकर गुजरता है। उन का कहना था कि भ्रष्टाचार की कोई सीमा नहीं है। जिस देश के लोग भ्रष्ट होंगे वो देश कभी तरक्की नहीं कर सकता।

चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसम्बर 1902 को गाजियाबाद जिले के नूरपुर गांव के चौधरी मीर सिंह के घर हुआ था। बाद में उनका परिवार नूरपुर से जानी खुर्द गांव आकर बस गया था। 1928 में चौधरी चरण सिंह ने आगरा विश्वविद्यालय से कानून की शिक्षा लेकर गाजियाबाद में वकालत प्रारम्भ की। 1930 में महात्मा गांधी द्वारा नमक कानून तोडने के समर्थन में चरण सिंह ने हिण्डन नदी पर नमक बनाया जिस पर उन्हे 6 माह जेल की सजा हुई। 1940 के व्यक्तिगत सत्याग्रह में भी चरण सिंह गिरफ्तार किये गये। 1942 में अगस्त क्रांति के माहौल में चरण सिंह को गिरफ्तार कर डेढ़ वर्ष की सजा हुई। जेल में ही चौधरी चरण सिंह की लिखित पुस्तक शिष्टाचार भारतीय समाज में शिष्टाचार के नियमों का एक बहुमूल्य दस्तावेज है।

चौधरी चरण सिंह खुद एक छोटे से गांव में एक किसान के घर जन्मे थे। बचपन से ही उन्होंने गांव के किसानों, गरीबों के दुख: दर्द को नजदीकी से देखा जाना था। इसलिये उन्हें उनकी समस्याओं का बखूबी अहसास था। उनको जब कभी कहीं मौका मिलता वे गांव के किसानों की सेवा करने से नहीं चूकते थे। उनके दिल में हमेशा गांव के किसान ही बसे रहते थे। चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त गांधी टोपी धारण कर महात्मा गांधी के सच्चे अनुयायी बने रहे।

उन्होने किसानों की खुशहाली के लिए खेती पर बल दिया था। किसानों को उनकी उपज का उचित दाम मिल सके इसके लिए भी वो बहुत गंभीर रहते थे। उनका कहना था कि भारत का सम्पूर्ण विकास तभी होगा जब किसान, मजदूर, गरीब सभी खुशहाल होंगे। चौधरी चरण सिंह की गिनती हमेशा एक ईमानदार राजनेता के तौर पर की जाती है। उन्होंने जीवन पर्यन्त किसानों की सेवा को ही अपना धर्म माना और अपने अंतिम समय तक देश के गांव में रहने वाले किसानों, गरीबों, दलितो, पीड़ितों की सेवा में ही पूरी जिंदगी गुजारी। चौधरी चरण सिंह जाति प्रथा के कट्टर खिलाफ थे।

आज देश के किसान कर्ज में डूबे हुये हैं। उनको उनकी उपज का पूरा दाम नहीं मिल पाता है। अपनी खराब आर्थिक स्थिति के चलते देश में बड़ी संख्या में किसान आत्महत्या करने को मजबूर हो रहें हैं। केन्द्र व राज्य सरकारें भी किसानो के भले की योजनायें बना पाने में नाकाम रही है। चुनाव के समय राजनीतिक पार्टियां किसानो को झांसा देकर उनके वोट बटोर लेती है। फिर किसी का ध्यान किसानो की समस्याओं के समाधान करने की तरफ नहीं जाता है। ऐसे में आज देश के किसानो को चौधरी चरणसिंह जैसे सच्चे किसान हितैषी नेता की जरूरत है। जो उनके हक में खड़ा होकर किसानो की आवाज बुलन्द कर सके व उनका वाजिब हक दिला सके। चौधरी चरण सिंह भारतीय राजनीति में एक बड़े नेता थे। मगर इंदिरा गांधी के सहयोग से कुछ समय के लिये देश के प्रधानमंत्री

बन कर उन्होने देश में पहली बार कांग्रेस के खिलाफ बने एक मजबूत गठबंधन को तोड़ा था। उससे उनकी प्रतिष्ठा को भी गहरा आघात पहुंचा था।

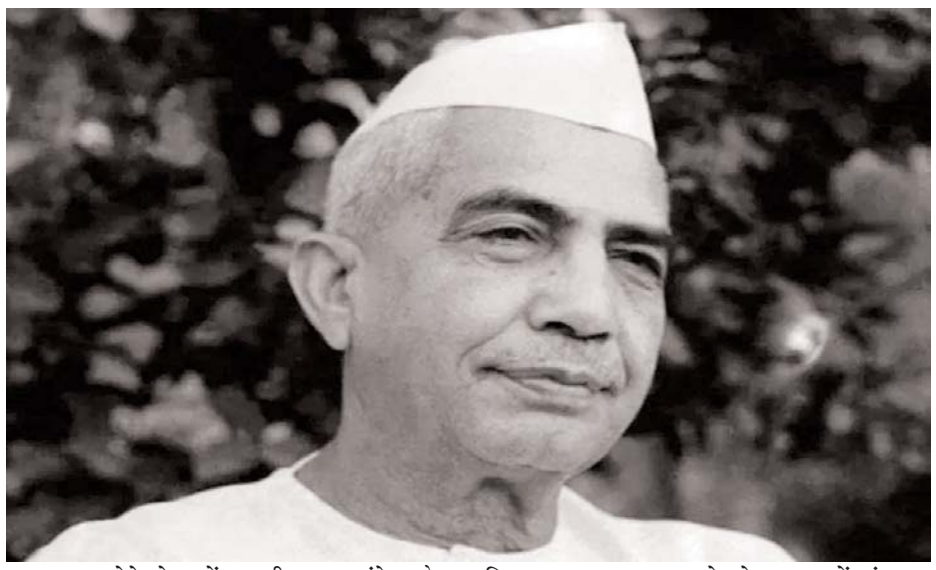

चौधरी चरण सिंह को 1951 में उत्तर प्रदेश सरकार में न्याय एवं सूचना विभाग का कैबिनेट मंत्री बनाया गया। 1952 में डॉक्टर सम्पूर्णानंद के मुख्यमंत्रित्व काल में उन्हें राजस्व तथा कृषि विभाग का दायित्व मिला। एक जुलाई 1952 को उत्तर प्रदेश में उनके बदौलत जमींदारी प्रथा का उन्मूलन हुआ और गरीबों को खेती करने के अधिकार मिले। 1954 में उन्होने किसानों के हित में उत्तर प्रदेश भूमि संरक्षण कानून को पारित कराया। चरण सिंह स्वभाव से भी कृषक थे तथा कृषक हितों के लिए अनवरत प्रयास करते रहे। 1960 में चंद्रभानु गुप्ता की सरकार में उन्हें गृह तथा कृषि मंत्री बनाया गया। उत्तर प्रदेश के किसान चरण सिंह को अपना रहनुमा मानते थे। उन्होंने कृषकों के कल्याण के लिए काफी कार्य किए। लोगों के लिए वो एक राजनीतिज्ञ से ज्यादा सामाजिक कार्यकर्ता थे। उनके भाषण को सुनने के लिये उनकी जनसभाओं में भारी भीड़ जुटा करती थी।

किसानो में चौधरी साहब के नाम से मशहूर चौधरी चरण सिंह 3 अप्रैल 1967 में पहली बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे। तब 1967 में पूरे देश में साम्प्रदायिक दंगे होने के बावजूद उत्तर प्रदेश में कहीं पत्ता भी नहीं हिल पाया था। 17 फरवरी 1970 को वे दूसरी बार मुख्यमंत्री बने। अपने सिद्धांतों से उन्होने कभी समझौता नहीं किया। 1977 में चुनाव के बाद जब केन्द्र में जनता पार्टी सत्ता में आई तो मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने और चरण सिंह को देश का गृह मंत्री बनाया गया। केन्द्र में गृहमंत्री बनने पर उन्होंने अल्पसंख्यक आयोग की स्थापना की। 1979 में वे उप प्रधानमंत्री बने। बाद में मोरारजी देसाई और चरण सिंह के मतभेद हो गये। 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक चौधरी चरण सिंह समाजवादी पार्टियों तथा कांग्रेस के सहयोग से भारत के पांचवें प्रधानमंत्री बने।

चौधरी चरण सिंह एक कुशल लेखक भी थे। उनका अंग्रेजी भाषा पर अच्छा अधिकार था। उन्होंने कई पुस्तकों का लेखन भी किया। 29 मई 1987 को 84 वर्ष की उम्र में जब उनका देहान्त हुआ तो देश के किसानो ने सरकार में पैरवी करने वाला अपना नेता खो दिया था। लोगों का मानना था कि चरण सिंह से राजनीतिक गलतियां हो सकती हैं लेकिन चारित्रिक रूप से उन्होंने कभी कोई गलती नहीं की। इतिहास में उनका नाम प्रधानमंत्री से ज्यादा एक किसान नेता के रूप में जाना जाता है। चौधरी चरण सिंह ने ही भ्रष्टाचार के खिलाफ सबसे पहले आवाज बुलन्द करते हुये आह्वान किया था कि भ्रष्टाचार का अन्त ही देश को आगे ले जा सकता है।

अटल बिहारी बाजपेयी की सरकार ने 2001 में हर वर्ष 23 दिसम्बर को चौधरी चरण सिंह की जयंती को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाने की जो परम्परा शुरू की थी उससे जरूर उनको साल में एक दिन याद किया जाने लगा है। आज किसानो कि हालात को देखकर चौधरी चरणसिंह जैसे देश के बड़े किसान नेता की याद आना स्वाभावित ही है।

रेत माफिया की खुलेआम दादागिरी

थाने में खनिज विभाग के कर्मचारियों को धमकाया, कलेक्टर के निर्देश पर भी पुलिस दर्ज नहीं की एफआईआर

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में राजस्व और पुलिस के बीच टकराव कम नहीं हो रहा है। पुलिस जिला प्रशासन की नहीं सुन रही है। मामला रेत माफिया से जुड़ा है। तहसीलदार के रेत भरे हाइवा पकड़ने से नाराज रेत माफिया ने पहले खनिज जांच चौकी में कर्मचारियों से गाली-गलौज की, फिर जान से मारने की धमकी भी दी। मामला मस्तूरी थाने का है।

इसके अलावा थाने में भी पुलिस के सामने कर्मचारियों से भी दुर्व्यवहार किया। मामले में कलेक्टर के निर्देश के बाद भी पुलिस ने एफआईआर नहीं की। इससे पहले पुलिस ने एक नायब तहसीलदार की भी पिटाई कर दी थी।

जरौंधा-पचपेड़ी क्षेत्र में रेत का अवैध उत्खनन: दरअसल, पचपेड़ी तहसीलदार और खनिज विभाग की टीम को शिकायत मिली थी कि जरौंधा-पचपेड़ी क्षेत्र में रेत का अवैध उत्खनन किया जा रहा है, जिसके बाद तहसीलदार के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने रेत का अवैध परिवहन करते तीन हाइवा को जब्त कर पचपेड़ी थाने में खड़े करा दिया।

इधर, खनिज विभाग की इस कार्रवाई से नाराज वाहन मालिक रंजीत काठले शनिवार की रात लावर स्थित खनिज जांच चौकी पहुंचा। उसने चौकी में दबंगई दिखाई। जिस पर विभाग के कर्मचारियों ने इसकी जानकारी अधिकारियों को दी। अफसरों ने कलेक्टर से बात कर मस्तूरी थाने एफआईआर दर्ज कराने कहा।

थाने में पुलिसकर्मी तमाशा देखते रहे: बताया जा रहा है कि थाने में मौजूद पुलिसकर्मियों ने एफआईआर दर्ज करने के बजाए हाइवा मालिक रंजीत को थाने बुला लिया। कुछ ही देर में वो थाने पहुंच गया। उसने थाने में ही खनिज विभाग के कर्मचारियों से हुज्जतबाजी की। इस दौरान पुलिसकर्मी तमाशा देखते रहे।

जानकारी देने से बचते रहे थानेदार, डीएसपी बोले- जानकारी ही नहीं: खनिज विभाग के अधिकारियों ने इस पूरे मामले की जानकारी कलेक्टर को दी है। साथ ही मामले की शिकायत मस्तूरी थाने में करने की बात कह रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफ मस्तूरी थाना प्रभारी आरोपी रंजीत काठले के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी देने से बचते रहे।

वहीं डीएसपी सिद्धार्थ बघेल ने खनिज विभाग की ओर से किसी तरह की शिकायत मिलने की जानकारी होने से इनकार करते रहे।

पीआरओ ने एफआईआर कराने दी जानकारी: मस्तूरी पुलिस के टालमटोल रवैए की शिकायत जिला प्रशासन और उच्च अधिकारियों से की गई, जिसके बाद पुलिस हरकत में आई। फिर भी जानकारी देने से बचती रही। दूसरी तरफ जनसंपर्क विभाग ने खुद ही देर शाम इस मामले में एफआईआर दर्ज कराए जाने की पुष्टि की है।

पुलिस के दुर्व्यवहार और पिटाई का शिकार हो चुके हैं तहसीलदार: पुलिस की मनमानी और राजस्व अफसरों के बीच टकराव का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी एक नायब तहसीलदार पुलिस की प्रताड़ना के शिकार हो चुके हैं। सरकंडा थाने में नायब तहसीलदार पर शराब पीकर दुव्यर्वहार करने के आरोप में उसकी पिटाई की गई थी, जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हुआ था।

एसपी और आईजी ने मामले की जांच कराने का दावा किया था। लेकिन, अब तक न तो जांच हुई और न ही रिपोर्ट सामने आई। इस केस में भी कलेक्टर अवनीश शरण ने हस्तक्षेप करते हुए एफआईआर नहीं करने के निर्देश दिए थे, जिसके बाद भी नायब तहसीलदार के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया।

डिवाइडर से टकराई बाइक, युवक की मौत

तेज रफ्तार में रेलिंग से टकराया युवक, सिर फटने से मौके पर तोड़ा दम

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में तेज रफ्तार अनियंत्रित बाइक ने डिवाइडर को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार युवक का सिर रेलिंग से टकराकर फट गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना हिर्री थाना क्षेत्र की है।

ग्राम कोपरा निवासी शंकर कौशिक रविवार को मछली खरीदने के लिए ग्राम अमसेना गया था। मछली लेकर वो अपनी बाइक से गांव लौट रहा था। अभी बाइक सवार शंकर बेलमुंडी ओवरब्रिज के पास पहुंचा था, तभी उसकी तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित हो गई और डिवाडर से जोरदार टकरा गई।

रेलिंग में टकराकर फटा सिर, मौके पर मौतः इस दौरान बाइक से गिरकर शंकर एप्रोच रोड पर लगे रेलिंग जा टकराया, जिससे उसका सिर फट गया। उसके सिर में गंभीर चोंटें आई। जिसके बाद खून से लथपथ युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। आसपास के लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने घटना की की जानकारी उसके परिजनों को दी, जिसके बाद शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

तेज रफ्तार ने ली युवक की जानः पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की। तब पता चला कि युवक काफी तेज गति से बाइक चला रहा था। चौक पर पहुंचने से पहले ही उसकी बाइक बेकाबू हो गई और ये हादसा हो गया। बाइक की रफ्तार को युवक नियंत्रित कर लेता तो हादसे में उसकी जान नहीं जाती।

धान चोरी के शक में युवक को रातभर पीटा, मौत

माता-पिता बिलखते रहे, भीड़ पीटती रही, सूचना देने के बावजूद नहीं पहुंची पुलिस

मीडिया ऑडीटर, धमतरी एजेंसी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले के सिरसिदा गांव में धान चोरी के शक में युवक की हत्या कर दी गई। पिता ने बताया कि युवक को ग्रामीण रात में घर से खींच ले गए और गांव के मेन चौक पर पीटना शुरू कर दिया। परिजनों ने पुलिस को सूचना दी, लेकिन पुलिस सुबह तक नहीं पहुंची। माता-पिता हाथ पैर जोड़ते रहे, लेकिन ग्रामीणों ने चोर का साथी कहकर युवक को रात भर पीटा। सुबह पिता युवक को इलाज के लिए अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामला कुरूद थाना क्षेत्र का है।

धान चोरी के संदेह में ग्रामीणों ने पीटा: मृतक के पिता तुलसीराम पटेल ने बताया कि उनके बेटे का नाम कार्तिक पटेल है, जिसकी उम्र 19 वर्ष है। गांव के भिखम साहू के घर धान चोरी हुआ था। चोर का साथी कहकर करीब 15 लोग कार्तिक को घर से खींचकर ले गए। उनमें 3 महिलाएं भी शामिल थी।

माता-पिता के सामने पीटते रहे: इसके बाद गली में पीटने लगे। लोगों के हाथ में जो आया उसी से युवक को पीटा गया। तुलसीराम पटेल ने अपने बेटे को छुड़वाने की कोशिश की। कोटवार ने भी छुड़वाने की कोशिश की। लेकिन ग्रामीण कोटवार को भी हड़काने लगे और कोटवार के सामने ही युवक को पीटा जाता रहा। ग्रामीण रात डेढ़ बजे युवक को पीटते रहे। परिजनों ने सुबह 7:30 बजे भीड़ से युवक को छुड़ाया। उसे अस्पताल लेकर गए, लेकिन रास्ते में ही युवक ने दम तोड़ दिया।

सुबह तक नहीं पहुंची पुलिस: पिता तुलसीराम पटेल ने बताया कि डेढ़ बजे रात में कुरूद थाना को सूचित किया गया, लेकिन पुलिस सुबह तक नहीं पहुंची। वहीं डीएसपी रागिनी तिवारी ने कहा कि 19 वर्ष के लड़के की मृत्यु की सूचना मिली है, जिला अस्पताल में परिजनों से पूछताछ की जा रही है, जो भी लोग दोषी होंगे उन पर कार्रवाई की जाएगी।

चलती स्कूटी में लगी आग, युवक और 2 बच्चों ने कूदकर बचाई अपनी जान, धू-धूकर जलकर खाक हो गई गाड़ी

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में हाईकोर्ट रोड स्थित छतौना मोड़ के पास चलती स्कूटी में आग लग गई। बताया जा रहा है कि हादसा के वक्त स्कूटी पर युवक और 2 बच्चे सवार थे। तीनों ने किसी तरह कूदकर जान बचाई। वहीं गाड़ी धू-धूकर जलकर खाक हो गई है। घटना शनिवार देर शाम चकरभाटा थाना क्षेत्र की है। इसका वीडियो अब वायरल हो रहा है।

छतौना मोड़ स्थित सुरजीत ट्रांसपोर्ट ऑफिस के सामने टीवीएस पेप स्कूटी में युवक और दो बच्चे सवार होकर जा रहे थे। बताया जा रहा है कि इसी दौरान अचानक शॉर्ट सर्किट के बाद स्कूटी से धुआं उठने लगा और फिर देखते ही देखते आग लग गई।

कार सवार ने दी जानकारी, बाल-बाल बची जान: स्कूटी के बीच में इंजन लगे होने के कारण उसमें सवार युवक और बच्चों को आग लगने की भनक तक नहीं लगी। पीछे से आ रहे कार सवार ने स्कूटी में आग लगने की जानकारी युवक को दी, तब आनन-फानन में उसने स्कूटी रोका।

जिसके बाद बच्चों को उतार कर वह खुद उतरकर स्कूटी को खड़ा किया, फिर दूर भाग कर देखता रहा। देखते ही देखते ही स्कूटी धू-धूकर जलने लगी।

पुलिस के पहुंचते तक जलकर खाक हो गई गाड़ी: घटना की जानकारी मिलने पर चकरभाटा थाने की पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक स्कूटी जलकर खाक हो गई थी। पुलिस की पूछताछ में पता चला कि 2012 मॉडल की टीवीएस पेप स्कूटी थी, जो अशोक कौशिक के नाम पर रजिस्टर्ड थी।

घटना के समय स्कूटी को उनके रिश्तेदार चला रहे थे, जो मार्केट से घर लौट रहे थे। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

जिले में आदिमानव द्वारा बनाए गए शैलचित्र शोधपरख : डॉ विनोद पांडेय

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। छत्तीसगढ़ शासन पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय रायपुर के सभागार में 21 दिसंबर से 23 दिसंबर 2024 तक प्राचीन छत्तीसगढ़ में कला और वास्तु कला विषय पर राज्य स्तरीय शोध संगोष्ठी का आयोजन डॉ. भुवन विक्रम क्षेत्रीय निदेशक भोपाल भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की विशिष्ट अतिथि एवं संचालक पुरातत्व पर्यटन संस्कृति विभाग के संचालक विवेक आचार्य की अध्यक्षता में किया गया। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले से पुरातत्व एवं पर्यटन विभाग के नोडल अधिकारी डॉ. विनोद कुमार पांडेय ने मनेंद्रगढ़-चिरमिरी -भरतपुर जिले के शैलाश्रय के बारे में व्याख्यान एवं प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया तथा जिले के भरतपुर विकासखंड के तिलौली, आरा, लावाहोरी (घोड़बंधा पाठ) भंवरखोह (कोहबउर), नवाडीह के शैलाश्रयों (आदिमानव द्वारा चट्टानों, पहाड़ों, गुफाओं में उकेरे गए चित्र) के बारे में विस्तार से अवगत कराया साथ ही पेपर प्रेजेंटेशन भी दिया। छत्तीसगढ़ व विभिन्न राज्यों से आए 64 लोगों ने शोध सारांश भेजें। जिसमें से संगोष्ठी के मूल विषय और उपविषयों पर केंद्रित 44 आलेखों का वाचन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पुरातत्व विभाग के उपसंचालक डॉ. पी. सी. पारख, पूर्व उप संचालक जी. एल. रायकवार, राहुल सिंह, प्रोफेसर एल. एस. निगम, प्रोफेसर दिनेश नंदिनी परिहार, डॉ. मोना जैन, डॉ. नितेश मिश्रा, मंगलानंद झा, प्रभात सिंह, अमर भारद्वाज सहित अनेक पुरातत्वविद व इतिहासकार उपस्थित रहे।

महतारी वंदन सम्मेलन संपन्न

महतारी वंदन योजना से महिलाएं हो रही आत्म निर्भर : विधायक

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। छत्तीसगढ़ में विष्णु देव साय सरकार के सुशासन के एक साल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सोमवार को जनकपुर के सामुदायिक भवन में महतारी वंदन सम्मेलन आयोजित किया गया। इस आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री रेणुका सिंह एवं महतारी वंदन योजना के सैकड़ों लाभार्थियों की उपस्थिति रही। इस दौरान मुख्य अतिथि ने कहा कि हमारी सरकार द्वारा अपने वादे के अनुसार महिलाओं को हर महीने एक हजार रूपए महतारी वंदन योजना के तहत दे रही है। इस पैसे से महिलाएं आत्म निर्भर हो रहें हैं। इन पैसे से महिलाएं अपने पोषण और स्वास्थ्य के साथ ही अपनी आवश्यकताए को सुनिश्चित कर रही है। कार्यक्रम में इस योजना की सफलता पर चर्चा के साथ-साथ हितग्राहियों के अनुभव भी साझा किए गए। कार्यक्रम के दौरान महिला जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें सरकारी योजनाओं, महिला अधिकारों और स्वास्थ्य जागरूकता पर जानकारी दी गयी। इसके साथ ही सुशासन के एक साल की उपलब्धियों एवं महिला सशक्तिकरण के बारे में जानकारी दी गई।

पकड़ाया ओडिशा का धान, पिकअप लेकर भागा ड्राइवर

चेकपोस्ट पर होमगार्ड से गाली गलौज की, जान से मारने की दी धमकी

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिला में ओडिशा से धान बिक्री के लिए ला रहे पिकप चालक को पकड़ा गया, जिसे चेकपोस्ट लाया जा रहा था, तभी रास्ते में पिकप चालक ने होम गार्ड जवान को जान से मारने की धमकी देकर धान वापस ओडिशा ले भागा। घटना लैलूंगा थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक अवैध धान की बिक्री रोकने के लिए जिले के अलग अलग जगह पर चेक पोस्ट बनाया गया है। लैलूंगा थाना क्षेत्र के ग्राम तोलमा के पास ओड़िसा बार्डर पर चेकपोस्ट पर होम गार्ड जवान शीलानाथ भगत 40 साल पदस्थ है।

11 दिसबंर को शीलानाथ चेकपोस्ट पर ग्राम कोटवार एतवार सिंह और भागीरथी के साथ तैनात थे, तभी रात में तोलमा गांव के कोडापारा मोहल्ला में रहने वाले ग्रामीणों ने ओडिशा की ओर से आ रही धान लोड पिकअप क्रमांक जेएच 02 बीएच 5202 को रोका। इसके बाद उन्हें अवैध धान की शंका होने पर चेकपोस्ट पर सूचना दिए। तब शीलानाथ, ग्राम कोटवार एतवार सिंह और तोलमा का सरंपच इंदर साय वहां पहुंचे। इसके बाद चालक से पिकअप में लोड धान को लेकर दस्तावेज मांगा गया, तो उसके पास कोई कागजात नहीं थे।

ओडिशा की ओर ले भागा अवैध धान: होमगार्ड जवान पिकअप समेत चालक को चेक पोस्ट पर ला रहा था, तभी टोंगोपारा चौक के पास चालक ने पिकअप वाहन रोक दिया। होमगार्ड जवान ने शीला नाथ के साथ गाली-गलौज की। जान से मारने की धमकी देकर उसे पिकअप से नीचे उतार दिया। वह धान से लदे पिकअप को तेज गति से ओडिशा की ओर ले गया। घटना के बाद शीला नाथ ने लैलूंगा थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

आरोपी की पतासाजी की जा रही: लैलूंगा थाना प्रभारी राजेश कुमार जांगड़े ने बताया कि मामले की शिकायत शीलानाथ ने पूर्व में की गई थी, जिसके बाद जांच किया गया और शिकायत को सही पाया गया। आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है। मामले में आरोपी की पतासाजी की जा रही है।

कैफे में लगी आग, फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

महादेव घाट में भी 4 दुकानें जलकर खाक, दुकानदार बोले-किसी ने जान बूझकर लगाई है

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। रायपुर में तेलीबांधा तालाब के सामने एक कैफे में सोमवार सुबह आग लग गई। सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने कैफ सिप एंड बाइट से धुंआ उठते देखा। फायर ब्रिगेड को इसकी सूचना दी, जिसके बाद फायर फाइटर्स ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया है। वहीं रविवार को महादेव घाट में भी 4 दुकानें जल गई। आग लगने का कारण अभी सामने नहीं आया है, लेकिन माना जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी होगी। इस दौरान बड़ी संख्या में भीड़ इक्कठा हो गई। मौकै पर तेलीबांधा पुलिस भी मौजूद रही। वहीं रेस्टोरेंट संचालक को भी लोगों ने सूचित किया।

महादेव घाट में दुकानों में भी लगी आग: वहीं रविवार को महादेव घाट मंदिर के पास स्थित चार दुकानों में आग लग गई, जिसके चलते दुकानदारों का सामान जलकर खाक हो गया। दुकानदारों ने बताया कि शनिवार की शाम को 7 बजे एक बदमाश चाकू लेकर विवाद कर रहा था। दुकानदारों से पैसे की उगाही कर रहा था। इसकी शिकायत दुकानदारों ने डीडी नगर थाने में भी दर्ज कराई थी। अंदेशा है कि इसी रंजिश में किसी ने आग लगाई है। लोगों ने बताया कि लंबे समय से वे महादेव घाट मंदिर जाने वाले रास्ते में सड़क किनारे दुकान संचालित करते आ रहे हैं। ऐसे में आग लगने से धंधा चौपट हो गया है। किसी ने जान बूझकर आग लगाई है।

स्कूली बच्चों में दिखा एकता में विविधता का रंग

अतिथि बोले- बच्चों को पढ़ाई के साथ सांस्कारिक शिक्षा जरूरी

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में स्कूल के वार्षिकोत्सव समारोह में विद्यार्थियों ने धर्म की एकरूपता पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति दी। इस अवसर पर छात्राओं ने अलग-अलग धर्म और उनके त्योहारों पर लोकनृत्यों की शानदार प्रस्तुति देते हुए एकता में विविधता का रंग प्रदर्शित किया। वहीं, अतिथियों ने कहा कि कि वर्तमान समय में बच्चों को पढ़ाई के साथ सांस्कारिक शिक्षा देना भी जरूरी है।

दरअसल, शहर के लालखदान स्थित होलीक्रास स्कूल के वार्षिकोत्सव पर इंटर-रिलिजियस फेस्टिव इवेंट का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के लोगों को बुलाया गया था। स्कूल की प्राचार्य क्लेरिटा डिमेलो ने कहा कि कार्यक्रम में सभी धर्मों के प्रतिनिधि को आमंत्रित करने का उद्देश्य है कि सभी आपसी भेदभाव को दूर कर बच्चों को सर्वधर्म समभाव से प्रति करें और भाई चारे को बढ़ावा मिले।

छात्राओं ने विविध धर्म से प्रेरित लोकनृत्यों की प्रस्तुति: धर्म और आस्था किसी भी समाज की नींव होते हैं। यह विभिन्न समुदायों को उनके सांस्कृतिक और आध्यात्मिक स्वरूप में जोड़ते हैं। इसी उद्देश्य को लेकर स्कूली बच्चों ने अलग-अलग धर्म पर आधारित धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को लोकनृत्यों के माध्यम से प्रस्तुत किया।

अतिथियों ने कहा- सभी धर्मों का एक उद्देश्य है मानव कल्याण: इस आयोजन में उपस्थिति अतिथियों ने कहा कि इंटर रिलिजियस इवेंट सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा प्रयास है, जो समाज में शांति, सौहार्द और एकता की भावना को मजबूत करता है। "सभी धर्मों का सार प्रेम, सेवा और भाईचारा है। यही संदेश हमें एक बेहतर समाज की ओर ले जाता है।

कार्यक्रम में मस्तूरी विधायक दिलीप लहरिया, मेयर रामशरण यादव, प्रजापिता ब्रम्हकुमारी की सेंटर इंचार्ज बीके लता, डा. रश्मि जैन बुधिया, एडिशनल एसपी सिटी राजेंद्र जायसवाल, भाजपा नेता बीपी सिंह, पार्षद परदेशी बाबू, प्रेस क्लब अध्यक्ष इरशाद अली सहित अन्य मौजूद रहे।

मुझसे प्यार नहीं करती कहकर युवक ने पी लिया जहर

कलेक्टर कार्यालय के सामने किया सुसाइड अटेम्प्ट, अस्पताल में चल रहा इलाज

मीडिया ऑडीटर, कोंडागांव एजेंसी। कोण्डागांव के कलेक्टर कार्यालय के सामने एकतरफा प्यार में युवक ने कीटनाशक का सेवन कर लिया है। इसके बाद मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल युवक को अस्पताल पहुंचाया। जहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। युवक की पहचान लोकेश दीवान (28) के रूप में हुई है। जो मारागांव का रहने वाला है। युवक ने बताया कि वो एक लड़की से बेहद प्यार करता है, लेकिन युवती उसकी भावनाओं को नजरअंदाज कर रही थी।

बेंगलुरु में सॉफ्टवेयर इंजीनियर डिजिटल अरेस्ट

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के हेब्बल में 39 साल के एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर डिजिटल अरेस्ट का शिकार हुए। ठगों ने उन्हें डरा-धमकाकर 11.8 करोड़ रुपए वसूल लिए। बाद में शक होने पर इंजीनियर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मामला एक महीने पुराना है। पुलिस को दिए बयान के मुताबिक शख्स ने 25 नवंबर से 12 दिसंबर के बीच पैसे गंवाए। ठगों ने इंजीनियर को (टेलिकॉम रेगुलेटरी ऑफ इंडिया) अधिकारी बनकर कॉल किया था और आधार-सिम के फर्जी इस्तेमाल की जानकारी देकर डराया था। 11 नवंबर को पहली कॉल आई, अधिकारी बनकर धमकाया सॉफ्टवेयर इंजीनियर विक्रम (बदला हुआ नाम) को 11 नवंबर को सुबह करीब 10.30 बजे मोबाइल नंबर 8791120931 से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को अधिकारी बताया और विक्रम से कहा कि उसके नाम से खरीदे गए सिम कार्ड का इस्तेमाल अवैध विज्ञापनों और धमकी भरे मैसेजों के लिए किया जा रहा है।जालसाज ने उन्हें बताया कि इसके लिए उनके आधार का इस्तेमाल किया गया है। फिलहाल अब उनके सिम को ब्लॉक करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और मुंबई के कोलाबा साइबर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

8 जनवरी को एक देश-एक चुनाव पर जेपीसी की पहली बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक देश-एक चुनाव के लिए बनी जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी की पहली बैठक 8 जनवरी को होगी। जेपीसी के अध्यक्ष और राजस्थान के पाली से भाजपा सांसद पीपी चौधरी ने यह मीटिंग बुलाई है। लोकसभा और सभी राज्यों की विधानसभा के चुनाव एक साथ कराने के लिए 17 दिसंबर को लोकसभा में 129वां संविधान संशोधन बिल पेश हुआ था। विपक्ष के विरोध की वजह से इसे जेपीसी को भेज दिया गया था। 39 सदस्यों वाली जेपीसी को अगले सत्र के पहले हफ्ते के आखिरी दिन अपनी रिपोर्ट लोकसभा में पेश करनी है।

श्रीनगर में डल झील पर आधा इंच बर्फ की परत

नई दिल्ली/ जयपुर/ श्रीनगर। उत्तराखंड के ऊंचे हिमालयी इलाकों में बर्फबारी और बारिश के चलते कड़ाके की ठंड पड़ रही है। कई जगहों पर तापमान माइनस से 10 डिग्री नीचे तक पहुंच गया है। श्रीनगर में 21 दिसंबर की रात 50 साल में सबसे ठंडी रात रही। यहां पारा माइनस 8.5 था। 22 दिसंबर को तापमान 4 डिग्री के करीब रिकॉर्ड किया गया। चिल्लई कलां के तीसरे दिन डल झील भी जम गई। यहां झील की सतह पर आधा इंच मोटी बर्फ की परत दिखाई दे रही है। बद्रीनाथ धाम के पास उर्वशी धारा का झरना लगातार हो रही बर्फबारी के कारण बहते-बहते ही पूरी तरह जम गया है। मौसम विभाग ने 23 से 28 दिसंबर के बीच मध्य प्रदेश में बारिश और ओले गिरने का अलर्ट जारी किया है। राजस्थान में भी आज बारिश की संभावना जताई गई है।

3-साल की बच्ची बोरवेल में 150 फीट गहराई पर फंसी

कोटपूतली (एजेंसी)। कोटपूतली में किरतपुरा क्षेत्र के बड़ीयाली ढाणी में 3 साल की बच्ची बोरवेल में गिर गई। बोरवेल 700 फीट गहरा है। बच्ची 150 फीट पर फंसी हुई है। बच्ची को निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। जेसीबी से बोरवेल के पास खुदाई की जा रही है। वहीं, बोरवेल में बच्ची तक पाइप के जरिए ऑक्सीजन पहुंचाई गई है। बोरवेल में उतारे गए कैमरे में बच्ची का मूवमेंट नजर आया है। बच्ची के रोने की आवाज भी रिकॉर्ड की गई है। शाम 5:15 बजे एसडीआरएफ ने भी रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया। शाम 6 बजे एनडीआरएफ भी रेस्क्यू के लिए पहुंच गई। दरअसल, सोमवार दोपहर 1:50 बजे चेतना चौधरी पुत्री भूपेंद्र चौधरी घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह बोरवेल में गिर गई। रोने की आवाज सुनकर परिजन ने तुरंत पुलिस को बच्ची के बोरवेल में गिरने की जानकारी दी। सरुण्ड थाना पुलिस और प्रशासन ने मौके पर पहुंचे।

प्रधानमंत्री का स्वागत-अभिनंदन हैः मुयमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना की सौगात देने मध्यप्रदेश पधार रहे हैं, उनका प्रदेश की धरती पर स्वागत अभिनंदन है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में नदी जोड़ो अभियान बड़े स्वरूप में आकार लेगा। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती पर प्रदेश को मिल रही इस सौगात से सागर, दतिया सहित सम्पूर्ण बुंदेलखण्ड को पर्याप्त सिंचाई और पेयजल सुविधा उपलब्ध होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनकल्याण पर्व और सागर गौरव दिवस के अवसर पर क्षेत्र को सौगातें प्रदान करने के कार्यक्रम में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी और मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने भी सहभागिता की। इन

सौगातों से सम्पूर्ण क्षेत्र का आने वाला कल बेहतर होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजकीय विमान तल पर मीडिया से चर्चा में यह बात कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने कई कठोर निर्णय लिए हैं, जिनमें टोल बैरियर पर वसूली बंद करने का निर्णय भी एक है। राज्य सरकार किसी भी तरह के भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं करेगी। इसके लिए जिस भी स्तर पर आवश्यक होगा सरकार द्वारा कार्यवाही की जाएगी। सुशासन के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में विकास और जनकल्याण की दिशा में हम निरंतर गतिशील है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजकीय विमानतल पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री डॉ. पुष्कर सिंह धामी का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

मणिशंकर अय्यर बोले- इंडिया की अगुआई का न सोचे कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा कि कांग्रेस को विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक को लीड करने के बारे में नहीं सोचना चाहिए। अय्यर ने इंडियन एक्सप्रेस को दिए इंटरव्यू में यह बात कही। उन्होंने कहा, ममता बनर्जी में क्षमता है, दूसरे नेता भी हैं, जो गठबंधन को लीड कर सकते हैं। जो भी इसकी अगुआई करना चाहे, उसे करने देना चाहिए। मणिशंकर अय्यर ने कहा- इससे फर्क नहीं पड़ता कि विपक्षी गठबंधन को कौन

लीड करता है। वजह यह कि कांग्रेस और उनके नेताओं का स्थान हमेशा ही अहम रहेगा। जरूरी नहीं कि वो अकेली अहम पार्टी हो। वह विपक्षी गठबंधन में अहम पार्टी रहेगी। सोनिया को लगता है कि मैं बेलगाम तोप हूं- मुझे नहीं पता कांग्रेस पार्टी को मेरे बारे में क्या अच्छा नहीं लगता। सोनिया गांधी ने कहा था कि मैं एक बेलगाम तोप हूं, लेकिन गांधी और नेहरू की कांग्रेस में बेलगाम तोपों को बहुत उपयोगी लोग माना जाता था।

एक्टिव पॉलिटिक्स के लिए बूढ़ा हूं- राहुल गांधी मुझसे 30 साल छोटे हैं। मैं उनके पिता से जुड़ा हुआ था, इसलिए राहुल को लगता है कि मैं उनके पिता की पीढ़ी का हूं। राहुल कांग्रेस के नेता हैं और मैं उनका अनुयायी हूं।

पूर्व आईएएस पूजा खेडकर की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को पूर्व आईएएस पूजा खेडकर की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। पूजा पर यूपीएससी एग्जाम में धोखाधड़ी और ओबीसी और विकलांगता कोटे का गलत तरीके से फायदा लेने का आरोप है। यूपीएससी की शिकायत के बाद दिल्ली पुलिस ने पूजा खेडकर के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी का केस दर्ज किया था। पूजा ने गिरफ्तारी से बचने के लिए अग्रिम जमानत याचिका लगाई थी। जस्टिस चंदर धारी सिंह की बेंच ने 27 नवंबर को मामले में अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। इससे पहले दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने 1 अगस्त को पूजा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। कोर्ट ने कहा था कि पूजा पर लगे आरोप गंभीर हैं। पूरी साजिश का खुलासा करने और इसमें अन्य लोगों के शामिल होने की पुष्टि के लिए उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की जरूरत है। यूपीएससी ने मामला वापस लिया, नया केस दायर करेगी यूपीएससी ने झूठी गवाही का केस वापस ले लिया और कहा कि वह अलग से केस दायर करेगी।

यूपीएससी ने पूजा पर जस्टिस सिस्टम में हेरफेर की कोशिश करने और गलत हलफनामा देकर झूठी गवाही देने का भी आरोप लगाया है। यूपीएससी ने कहा- पूजा ने झूठा दावा किया कि आयोग ने उनका बायोमेट्रिक डेटा (आंखों और उंगलियों के निशान) इकट्ठा किया। यह कोर्ट को धोखा देकर अपने फेवर में ऑर्डर लेने के लिए किया गया था। आयोग ने उनके निजी परीक्षण के दौरान कोई बायोमेट्रिक डेटा नहीं लिया और न ही इसके आधार पर वैरिफिकेशन की कोशिश की। आयोग ने अब तक किसी भी उम्मीदवार का बायोमेट्रिक डेटा नहीं लिया है।

परभणी हिंसा- राहुल गांधी मृतक सोमनाथ के परिवार से मिले

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के परभणी में 10 दिसंबर को अंबेडकर स्मारक में तोड़फोड़ हुई थी। घटना के 12 दिन बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी सोमवार को परभणी पहुंचे।

उन्होंने यहां मृतक सोमनाथ सूर्यवंशी और विजय वाकोडे को श्रद्धांजली दी। साथ ही उनके परिवारों से मुलाकात की। सोमनाथ सूर्यवंशी को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उसकी 15 दिसंबर को पुलिस कस्टडी में मौत हुई थी। राहुल ने कहा, मैं अभी पीड़ित परिवार से मिला, उन

लोगों ने मुझे पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और फोटो-वीडियो दिखाए, सोमनाथ की मौत 100 प्रतिशत कस्टोडियल (हिरासत में मौत) डेथ है, पुलिस ने इनकी हत्या की है। चीफ मिनिस्टर ने पुलिस को मैसेज देने के लिए असेंबली में झूठ बोला है। राहुल ने कहा- सोमनाथ को इसलिए मारा गया क्योंकि वो दलित है और संविधान की रक्षा कर रहा था। आरएसएस की विचारधारा संविधान को खत्म करने की है। हम चाहते हैं कि ये मुद्दा सुलझाया जाए, जिन लोगों ने ये किया उनको सजा मिले।

सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा- राहुल गांधी केवल राजनीतिक कारणों से यहां आए। उनका काम लोगों में नफरत पैदा करना है। हम सभी मामलों की जांच कर रहे हैं। मामला अदालत में है। अगर साबित हो जाता है कि सोमनाथ की मौत पुलिस हमले के कारण हुई, तो किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

मुंबई नाव हादसा-बोट के स्टीयरिंग और थ्रॉटल में खराबी थी

मुंबई (एजेंसी)। 18 दिसंबर को मुंबई में गेटवे ऑफ इंडिया से एलिफेंटा जा रही नीलकमल बोट नेवी के जहाज से टकराने के बाद समुद्र में डूब गई थी। इस हादसे में 15 लोगों की जान चली गई।

नेवी सूत्रों ने बताया कि ये घटना स्टीयरिंग असेंबली और थ्रॉटल क्वाड्रंट (बोट की स्पीड कंट्रोलिंग) में तकनीकी खराबी के कारण हुई। जिससे बोट की रफ्तार को काबू में नहीं लाया जा सका। हादसे में जिंदा बचने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि, दुर्घटना से पहले बोट की जांच की गई थी और क्रू को बोट में खराबी की जानकारी दी गई थी। हादसे से जुड़े वीडियो में भी साफ तौर पर देखा गया कि नेवी बोट की रफ्तार तेज थी। हादसे के चलते बोट सही समय पर मुड़ नहीं पाई। 18 दिसंबर को दोपहर करीब 3:30 बजे नेवी की स्पीड बोट पैसेंजर बोट से टकराई, जिसके बाद पैसेंजर बोट डूबने लगी थी।

नौसेना ने 11 बोट और 4 हेलिकॉप्टर की मदद से रेस्क्यू किया। महाराष्ट्र मरीन बोर्ड के मुताबिक 90 यात्रियों की क्षमता वाली बोट में करीब 107 लोग सवार थे। नेवी की बोट पर 6 लोग थे, जिनमें से सिर्फ 2 को बचाया जा सका।

एयरफोर्स में फाइटर जेट्स और पायलटों की कमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन एयरफोर्स में फाइटर जेट्स और पायलटों की कमी है। सरकार के पास 114 फाइटर जेट खरीदने की डील पेंडिंग है। एयरफोर्स ने HAL को 83 तेजस मार्क-1 ए बनाने का कॉन्ट्रैक्ट दिया है, लेकिन अमेरिकी कंपनी की इंजन भेजने में देरी के कारण डिलीवरी 2028 तक हो पाएगी। एयरफोर्स ने पिछले महीने दिल्ली में हुए वायुसेना कमांडर्स के सम्मेलन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को इसकी जानकारी दी थी। इन कमियों को दूर करने के लिए केंद्र सरकार ने डिफेंस सेक्रेटरी राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में हाई-लेवल कमेटी बनाई है। यह कमेटी जरूरतों को ध्यान में रखकर पुरानी और नए प्रोजेक्ट्स पर नजर रखेगी। कमेटी में डिफेंस सेक्रेटरी (प्रोडक्शन) संजीव कुमार, डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन के प्रमुख डॉ. समीर वी. कामत और वायुसेना के उप प्रमुख एयर मार्शल टी. सिंह को शामिल किया गया है। कमेटी दो से तीन महीने में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

कैग की रिपोर्ट- एचएएल में पायलट की कमी वहीं, कैग रिपोर्ट ने इंडियन एयरफोर्स में पायलटों की कमी के आंकड़े बताए हैं। फरवरी 2015 में 486 पायलटों की कमी थी, जो 2021 के अंत तक 596 हो गई। 2016 से 2021 के बीच 222 ट्रेनी पायलटों को भर्ती करने का प्लान था, लेकिन वायुसेना टारगेट पूरा नहीं कर पाई।

तेजस का ऑर्डर एयरफोर्स ने फरवरी 2021 में 46 हजार 898 करोड़ के सिंगल इंजन वाले 83 तेजस फाइटर जेट्स बनाने का काम हिंदुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड को दिया है।

लेकिन अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक ने इंजन नहीं भेजे जिससे HAL इनकी सप्लाई में देरी कर रही है।

यूपी के पीलीभीत में 3 खालिस्तानी आतंकियों का एनकाउंटर

पीलीभीत (एजेंसी)। यूपी के पीलीभीत में 3 खालिस्तानी आतंकियों को एनकाउंटर में मार गिराया गया। पीलीभीत पुलिस और पंजाब पुलिस ने सोमवार तड़के यह ऑपरेशन किया। सभी आतंकी खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स के सदस्य थे। इन्होंने 19 दिसंबर को पंजाब के गुरदासपुर जिले में पुलिस चौकी पर ग्रेनेड से हमला किया था।

आतंकियों के पास से 2 एके-47 राइफल, 2 ग्लॉक पिस्टल और भारी मात्रा में कारतूस बरामद किए गए। मारे गए आतंकियों में गुरदासपुर निवासी गुरविंदर सिंह, वीरेंद्र सिंह उर्फ रवि और जसप्रीत सिंह उर्फ प्रताप सिंह हैं। पीलीभीत के पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र में एनकाउंटर हुआ। गोली लगने के बाद तीनों घायलों को पूरनपुर सीएचसी लाया गया। वहां डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। पीलीभीत एसपी अविनाश पांडेय ने बताया- सोमवार सुबह पंजाब की गुरदासपुर पुलिस की टीम थाना पूरनपुर पहुंची। सूचना दी कि उनके यहां कुछ दिन पहले गुरदासपुर में बख्शीवाल पुलिस चौकी पर खालिस्तानी आतंकियों ने ग्रेनेड से हमला किया था। उनके पूरनपुर क्षेत्र में छिपे होने की सूचना मिली थी।

पुणे में डंपर ने फुटपाथ पर 9 लोगों को कुचला

पुणे (एजेंसी)। पुणे में रविवार रात करीब 1 बजे एक डंपर ने फुटपाथ पर सो रहे 9 लोगों को कुचल दिया। हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई है और 6 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मृतकों में 2 बच्चे भी शामिल हैं। इनमें से एक की उम्र 1 साल और एक की उम्र 2 साल है। एक्सीडेंट वाघोली के केसनंद फाटा इलाके में हुआ। डंपर चलाने वाला ड्राइवर नशे में था। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि फुटपाथ पर करीब 12 मजदूर सो रहे थे। चश्मदीदों ने बताया कि डंपर तेज रफ्तार में था। वह सो रहे लोगों को कुचलते हुए आगे बढ़ गया। इसके बाद घायल मजदूर चिल्लाने लगे। हमने उन्हें अस्पताल पहुंचाया और पुलिस को सूचना दी। 2 दिन पहले मुंबई में फुटपाथ पर खेल रहे एक 4 साल के बच्चे को एसयूवी कार चालक ने रौंद दिया था, जिससे उसकी मौत हो गई थी। उसके पिता भी मजदूरी करते हैं। सभी मजदूर अमरावती के रहने वाले थे पुलिस ने बताया कि 22 साल के विशाल विनोद की मौत हो गई। वहीं, जानकी दिनेश पवार (21), रिनिशा विनोद पवार (18), रोशन शशदु भोसले (9), नागेश निवृत्ति पवार (27), दर्शन संजय वैराल (18) और अलीशा विनोद पवार (47) का अस्पताल में इलाज चल रहा है। घायलों को पहले आईनॉक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां से उन्हें ससून अस्पताल भेज दिया गया। ये सभी अमरावती के रहने वाले हैं। ये काम के लिए पुणे आए थे और काम के बाद अब वापस लौट रहे थे। डंपर ड्राइवर पर गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज पुलिस ने बताया कि डंपर बिल्टवेल एंटरप्राइजेज के नाम पर रजिस्टर्ड है।

ड्राइवर पर गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है।

सीटी रवि की शिकायत राष्ट्रपति से करेंगी कर्नाटक की मंत्री

बेंगलुरु (एजेंसी)। सीटी रवि को 19 दिसंबर को गिरफ्तार किया था। 20 दिसंबर को कर्नाटक हाईकोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी। कस्टडी से बाहर आने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने फूल बरसाकर उनका स्वागत किया। कर्नाटक विधान परिषद में महिला कांग्रेस नेता को कथित तौर से प्रॉस्टिट्यूट कहे जाने के मामले में विधान परिषद के अध्यक्ष बसवराज होराट्टी ने कहा कि उन्हें ऐसी किसी घटना का कोई सबूत नहीं मिला है। दरअसल, 19 दिसंबर को कर्नाटक कांग्रेस नेता लक्ष्मी हेब्बालकर ने भाजपा एमएलसी सीटी रवि पर उन्हें प्रॉस्टिट्यूट कहने का आरोप लगाया था। इसे लेकर उन्होंने कर्नाटक विधान परिषद के अध्यक्ष के पास शिकायत दर्ज कराई थी। इसे लेकर बसवराज होराट्टी ने कहा कि हमने परिषद के सचिव और अन्य अधिकारियों से बात की,

किताबों का अध्ययन किया, लेकिन हमें इस आरोप को प्रमाणित करने वाला सबूत नहीं मिला है। इसके आधार पर हमने फैसला दिया है।विधानसभा अध्यक्ष के इस फैसले पर लक्ष्मी हेब्बालकर ने कहा कि वह किसी भी कीमत पर रवि को माफ नहीं करेंगी। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी न्याय की मांग करेंगी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक पत्र लिखेंगी। 19 दिसंबर को हुबली धारवाड़ महानगर महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा नेता सीटी रवि के खिलाफ संगोली रायन्ना सर्कल में विरोध प्रदर्शन किया था। 19 दिसंबर को कर्नाटक विधानसभा में कांग्रेस विधायक गृहमंत्री अमित शाह की बाबा साहेब पर टिप्पणी के विरोध में प्रदर्शन कर रहे थे। इस दौरान बीजेपी एमएलसी रवि ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को ड्रग एडिक्ट कहा। इसके बाद हेब्बालकर ने चिल्लाते हुए रवि को बताया और कहा कि उन्होंने कार से एक आदमी को कुचल कर मारा है। कथित रूप से इस बात से गुस्साए रवि ने हेब्बालकर को कई बार प्रॉस्टिट्यूट कहा। लक्ष्मी हेब्बालकर ने 19 दिसंबर को ही सीटी रवि के खिलाफ बेलगावी के हिरेबागीवाडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद रवि को पूछताछ के लिए खानापुर पुलिस स्टेशन में लाया गया।

इसके बाद उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया। भाजपा नेता रवि ने मंत्री लक्ष्मी के आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि उन्होंने ऐसा कुछ नहीं बोला है। कांग्रेस झूठे आरोप लगाकर उन्हें फंसा रही है। उन्होंने कभी महिला मंत्री के लिए इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया।

मोदी ने 71 हजार लोगों को जॉइनिंग लेटर बांटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को देश के 45 जगहों पर आयोजित रोजगार मेले में 71 हजार युवाओं को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जॉइनिंग लेटर बांटे। 2024 लोकसभा चुनाव के बाद प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल का यह दूसरा रोजगार मेला है। पीएम मोदी ने कहा- पिछले डेढ़ साल में हमारी सरकार में करीब 10 लाख पक्की नौकरियां दी गई। पहले की सरकारों ने ऐसा नहीं किया। आज युवाओं के लिए नए अवसरों का निर्माण हो रहा है। रोजगार मेले की शुरुआत अक्टूबर 2022 में हुई थी। अब तक 14 मेलों में 9.22 लाख से ज्यादा युवाओं को नौकरी दी जा चुकी है। इससे पहले आखिरी रोजगार मेला 29 अक्टूबर 2024 को आयोजित किया गया था, जिसमें 51 हजार से ज्यादा लोगों को जॉइनिंग लेटर बांटा गया था। विकसित भारत पर- भारत ने 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का

संकल्प लिया है। हमें इस संकल्प पर भरोसा है और लक्ष्य की प्राप्ति का विश्वास है, क्योंकि भारत में हर नीति और हर निर्णय के केंद्र में भारत का प्रतिभाशाली युवा है। आज देश में न केवल लाखों युवाओं को सरकारी नौकरियां मिल रही हैं, बल्कि ये नौकरियां पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ दी जा रही हैं। किसी भी देश का विकास उसके युवाओं के श्रम, सामर्थ्य और नेतृत्व से होता है।

अर्थव्यवस्था पर: आज हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी इकॉनमी बन गए और तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम भारत है। भारत ने अपने स्पेस, डिफेंस सेक्टर में नीतियां बदलीं और मैन्युफैक्चरिंग पर जोर दिया है। इसका फायदा भारत के युवाओं को हुआ। वो नए आत्मविश्वास से भरा हुआ है। वो सब जगह अपना परचम लहरा रहा है।

महिलाओं पर- आज हजारों बेटियों को भी नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। प्रयास है कि हर क्षेत्र में महिलाएं आत्मनिर्भर बनें। गर्भवती महिलाओं को 26 हफ्ते की छुट्टी के हमारे फैसले ने हजारों बेटियों के सपने को टूटने से रोका, उनके करियर में सहायता की। सुकन्या समृद्धि योजना से निश्चित किया कि उनकी पढ़ाई में आर्थिक परेशानी न आए। जनधन खाते खोले जिससे सरकारी योजनाओं का फायदा सीधे मिला। मुद्रा योजना से महिलाओं को बिना गारंटी लोन मिलने लगा। स्टार्ट अप, मैन्युफैक्चरिंग पर- आज युवा अपना स्टार्टअप शुरू करने का फैसला करता है तो पूरा इकोसिस्टम सहयोग के लिए मिलता है।

आज कितने ही सेक्टर्स में हम कम्पलीट ट्रांसफॉर्मेशन देख रहे हैं। मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग में भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश बन चुका है। रिन्यूएबल एनर्जी से लेकर ऑर्गेनिक फॉर्मिंग, स्पेस से लेकर डिफेंस, टूरिज्म से लेकर वेलनेस तक हर सेक्टर में देश नई ऊंचाइयां छू रहा है।

संक्षिप्त समाचार

प्याज का एक महीने में 50 फीसदी गिरा थोक भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में पिछले कुछ समय से प्याज के बढ़ते भाव के संकेत के बाद अब इस विषय पर ब्रेक लग गया है। लासलगांव में सबसे बड़ी थोक प्याज मंडी में प्याज की कीमत एक महीने में 50 फीसदी गिर गई है। पिछले महीने तक जहां प्याज की कीमतें 4000 रुपए प्रति क्विंटल थीं, वहीं रविवार को यह 2000 रुपए प्रति क्विंटल हो गई। नई खरीफ फसल की आवक से प्याज का मार्केट में भाव गिर रहा है। व्यापारियों का कहना है कि महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश जैसे प्रमुख प्याज उत्पादक क्षेत्रों में नए प्याज की आवक बढ़ने से रेट और भी गिर सकते हैं। प्याज व्यापारियों का कहना है कि खरीफ फसल का प्याज अधिक नमी के कारण लंबे समय तक भंडारित नहीं किया जा सकता, इसलिए किसान भरपूर उत्पादन के बावजूद इसे खुदाई के साथ ही बाजार में ले जा रहे हैं। अच्छी मानसूनी बारिश ने इस साल प्याज समेत अन्य फसलों जैसे टमाटर और आलू के उत्पादन को बढ़ावा दिया है। खरीफ प्याज का क्षेत्रफल इस साल पिछले वर्ष की तुलना में 27 फीसदी अधिक है। लासलगांव कृषि उत्पाद बाजार समिति के निदेशक ने बताया कि महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात जैसे प्रमुख उत्पादक राज्यों में प्याज की बढ़ती आवक से मंडी भाव गिर रहे हैं। इसके बावजूद, सरकार ने प्याज के निर्यात पर 20 फीसदी शुल्क लगाया है। निर्यात शुल्क की कटौती की मांग हो रही है और उम्मीद है कि इससे मांग और कीमतें बढ़ सकती हैं। खरीफ फसल की मजबूत आवक से अगले कुछ हफ्तों में खुदरा कीमतों में और नरमी आने की उम्मीद है। यहां भी पुरानी संगतियों के अनुसार प्याज की खुदरा कीमतें 60 रुपए प्रति किलोग्राम से घटकर 40 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई हैं।

सेमीकंडटर स्टार्टअप माइंडग्रोव टे नोलॉजीज ने जुटाए 80 लाख डॉलर

नई दिल्ली (एजेंसी)। फैबलेस सेमीकंडक्टर डिजाइन स्टार्टअप माइंडग्रोव टेक्नोलॉजिज ने ए श्रृंखला राउंड में 80 लाख डॉलर जुटाए हैं। इस रकम का उपयोग कंपनी अपने कार्यबल का विस्तार करने और अपनी इन हाउस इंजीनियरिंग क्षमताओं को बढ़ाने में करेगी। कंपनी ने यह जानकारी दी है। इस दौर का सह नेतृत्व रॉकेटशिप वीसी और स्पेशियल इन्वेस्ट ने किया। निवेश से कंपनी को अपने पहले चिप के उत्पादन और बिक्री बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। इस साल शुरुआत में मई 2024 में कंपनी ने सिक्योर आईओटी पेश किया था, जो भारत का पहला वाणिज्यिक ग्रेड उच्च प्रदर्शन माइक्रोकंट्रोलर एसओसी (सिस्टम ऑन चिप) और 28 एनएम पर तैयार किया गया। इसे उन इलेक्ट्रानिक डिवाइसेज के लिए डिजाइन किया गया है जो घड़ियां, मीटर, ताले और एक्सेस कंट्रोल यूनिट को स्मार्ट में बदल रही हैं। साथ ही साथ प्रिंटर और प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीनों जैसी पावर डिवाइसों में यह काम आता है। चिप के अगले साल के मध्य तक बाजार में आने की संभावना है। इसके अलावा, माइंडग्रोव को भारत सरकार की सेमीकंडक्टर डिजाइन से जुड़ी प्रोत्साहन (डीएलआई) योजना के तहत एक नई चिप, विजन एसओसी तैयार करने के लिए भी 15 करोड़ रुपये की मंजूरी मिली है।

शेयर बाजार मे रही तेज़ी, सेंसेस 500 से ज्यादा अंक उछला, निटी 23,750 के पार

मुंबई (एजेंसी)। वैश्विक बाजारों में तेजी के बीच घरेलू शेयर बाजार सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बड़े उछाल के साथ खुले। एक्सचेंज के दोनों प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी में बढ़त देखी है। अन्य बाजारों में तेजी, मेटल स्टॉक्स में खरीदारी और अमेरिका के मुद्रास्फीति आंकड़े अच्छे रहने के चलते बाजार में उछाल देखने को मिल रहा है। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सोमवार को 400 से ज्यादा अंक चढ़कर 78,488.64 पर खुला। खुलने के कुछ ही मिनटों में यह 700 से ज्यादा अंक चढ़कर 78,743.16 तक पहुंच गया। सुबह 9:40 बजे सेंसेक्स 463.65 अंक की बढ़त लेकर कारोबार कर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 150 से ज्यादा अंक का उछाल लेकर 23,738.20 अंक पर खुला। शुरूआती कारोबार में यह 23,786 अंक तक चढ़ गया। इससे पहले शुक्रवार को प्रमुख बेंचमार्क बीएसई सेंसेक्स 1,196 अंक गिरकर 78,041.59 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 50 364 अंक गिरकर 78,041.59 पर बंद हुआ। जोमैटो ने सोमवार को बीएसई सेंसेक्स में जेएसडब्ल्यू स्टील की जगह ले ली। इसका मतलब है कि सेंसेक्स की 30 कंपनियों की लिस्ट जेएसडब्ल्यू स्टील बाहर हो गई है। दूसरी ओर महिंद्रा एंड महिंद्रा, आईटीसी, इंफोसिस और सन फार्मास्यूटिकल्स के शेयरों के इंडेक्स के भीतर उनके वेटेज में बदलाव देखने को मिला है। इस सप्ताह में भारत में कोई बड़ा आर्थिक डेटा जारी नहीं किया जाएगा। वहीं वैश्विक स्तर पर निवेशक सोमवार को यूके के तीसरी तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद डेटा, मंगलवार को जापान की लेटेस्ट मॉनेटरी पॉलिसी बैठक के मिनट्स और गुरुवार को अमेरिका में साप्ताहिक बेरोजगार दावों के डेटा पर नजर रखेंगे। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की बिकवाली और अमेरिकी डॉलर इंडेक्स की चाल बाजार को आगे बढ़ाने वाले प्रमुख कारकों में से होंगे। दिसंबर में अब तक एफआईआई ने भारत में 4,121.22 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची है। तुलनात्मक रूप से डीआईआई ने इस महीने भारतीय इक्विटी में 16,546 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुझान और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की गतिविधियों से तय होगी। विश्लेषकों ने कहा है कि इस कम कारोबारी सत्र वाले सप्ताह में घरेलू मोर्चे पर कोई प्रमुख घटनाक्रम नहीं है। ऐसे में बाजार भागीदारों की नजरें वैश्विक संकेतकों पर रहेगी। बाजार के एक वरिष्ठ शोध विश्लेषक ने कहा कि आगे की ओर देखें तो घरेलू मोर्चे पर किसी बड़े संकेतक का अभाव है। हालांकि, कुछ वैश्विक संकेतक बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसमें अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल, डॉलर इंडेक्स का प्रदर्शन, बेरोजगारी दावे और नए घरों की बिक्री के आंकड़े शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बाजार में उतार-चढ़ाव का सिलसिला चल रहा है। साथ ही विदेशी संस्थागत निवेशक लगातार बिकवाल बने हुए हैं। ऐसे में निवेशकों द्वारा सतर्क रुख अपनाए जाने की उम्मीद है। हालिया कमजोरी के रुख के बावजूद बाजार का दृष्टिकोण सतर्क रूप से आशावादी बना हुआ है। हालांकि, एफआईआई की लगातार बिकवाली ने बाजार पर दबाव बढ़ा दिया है। बाजार के जानकारों ने कहा कि एफआईआई का रुख अचानक से लिवाल से बिकवाल का हो गया, जिससे बाजार प्रभावित हुआ है। विश्लेषकों ने कहा कि रुपये-डॉलर का रुख और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम भी बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यह सप्ताह कम कारोबारी सत्रों का रहेगा। बाजार भागीदारों की निगाह एफआईआई के प्रवाह और वैश्विक बाजारों के प्रदर्शन पर रहेगी। बाजार के जानकारों ने कहा कि भारतीय बाजार में कमजोरी बने रहने की संभावना है। उतार-चढ़ाव के बीच बाजार भागीदारों की निगाह वैश्विक संकेतकों पर रहेगी। उन्होंने कहा कि त्योहारी सीजन आ रहा है और वैश्विक बाजारों में दो-तीन दिन अवकाश रहेगा। ऐसे में स्थानीय बाजार में भी गतिविधियां सुस्त रहेंगी।

ट्रेविस हैड पर अंकुश लगाना होगा : शास्त्री

मेलबर्न (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि भारतीय गेंदबाजों को ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हैड पर अंकुश लगाना होगा। हैड ने अब तक इस सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो शतक लगाये हैं और सबसे अधिक रन बनाये हैं। शॉर्ट बॉल को जल्दी पहचानने की क्षमता के कारण ही वह बड़े शॉट लगाने में सफल हुए हैं। इस सीरीज की अपनी पहली पारी में 11 रन पर आउट होने के बाद से ही हेड ने अपने अगले तीन मैचों में 89, 140 और 152 रन बनाए हैं। उन्होंने गुलाबी गेंद के दिन-रात्रि टेस्ट में भी अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से जीत दर्ज कर 1-1 से बराबरी हासिल की थी। शास्त्री ने कहा कि मुझे लगता है कि वह बहुत चतुर क्रिकेटर है। मैंने उन्हें तीन साल पहले देखा था पर अब लगता है कि उनमें काफी सुधार हुआ है। विशेष रूप से वह जिस तरह शॉर्ट गेंदों को खेलते हैं। पहले वह इस गेंद को खेलने के लिए तैयार रहते थे पर अब उन्होंने इसे छोड़ना भी सीख लिया है। गेंद की 'लाइन एवं लेंथ को जल्दी से परखने की क्षमता हैड को सही स्ट्रोक खेलने का समय देती है।

शास्त्री ने कहा कि ऐसा नहीं है कि हमेशा शॉर्ट गेंद पर बड़ा शॉट लगाना होता है। वह या तो इसे छोड़ने या बड़े शॉट लगाने के लिए तैयार रहते हैं और अगर गेंद मिडिल या ऑफ स्टंप है, तो वह इसे स्क्वायर के सामने भी मारते हैं। जब वह लय में होते हैं तो उन्हें रोकना कठिन हो जाता है। शास्त्री ने कहा कि वह लेंथ अच्छी तरह पकड़ लेता है। यह उनकी सबसे बड़ी ताकत है। और उनके पास ऑफसाइड के लिए शानदार शॉट होते हैं। इसलिए उन्हें रोकना मुश्किल है। इसके साथ ही वह सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हैं।

टेस्ला ने फिर गाडियों को तकनीकी खामियों के कारण किया रिकॉल

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक बार फिर टेस्ला कंपनी ने अपनी गाड़ियों में तकनीकी खामियों के चलते रिकॉल किया है। इस रिकॉल में मॉडल 3, मॉडल वाय और साइबरट्रक जैसे लोकप्रिय मॉडल शामिल हैं।

इस बार कंपनी ने टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस) में खराबी की वजह से अमेरिका में 6.94 लाख से अधिक वाहनों को वापस बुलाया है। रिकॉल का कारण टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम की चेतावनी लाइट का काम न करना है। यह लाइट टायर के हवा के प्रेशर में गड़बड़ी की स्थिति में ड्राइवर को सतर्क करती है। चेतावनी लाइट के न जलने से टायर में कम या अधिक हवा होने का पता नहीं चल पाता, जिससे दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा, अधिक प्रेशर से टायर फटने की भी आशंका रहती है। टेस्ला ने घोषणा की है कि इस समस्या को ओवर-द-एयर (ओटीए) सॉफ्टवेयर अपडेट के जरिए हल किया जाएगा। यह प्रक्रिया डिजिटल रूप से गाड़ियों के सॉफ्टवेयर को अपडेट कर देगी, जिससे किसी भौतिक हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं होगी। रिकॉल मैनेजमेंट फर्म बीझीकार की रिपोर्ट के अनुसार, 2024 की पहली तीन तिमाहियों में अमेरिका में जितने वाहन रिकॉल किए गए, उनमें से 21 प्रतिशत टेस्ला के थे। इस साल साइबरट्रक को ही छह बार बाजार से वापस बुलाया गया है। लगातार हो रहे रिकॉल से टेस्ला की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, कंपनी का दावा है कि वह अपने सॉफ्टवेयर अपडेट्स के जरिए समस्याओं को जल्दी हल करने में सक्षम है।

बॉसिंग डे टेस्ट में शुभमन पर बेहतर प्रदर्शन का दबाव रहेगा

मेलबर्न (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल की नजरें यहां एमसीजी मैदान पर 26 दिसंबर बॉक्सिंग डे पर शुरु हो रही चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में बेहतर प्रदर्शन पर रहेंगी। शुभमन अब तक इस सीरीज में एक बार भी बड़ा स्कोर नहीं बना पाये हैं। एशियाई देशों के बाहर अब तक उनका रिकार्ड अच्छा नहीं रहा है जिससे भी वह बेहतर करना चाहेंगे। साल 2022 के बाद से ही एशिया के बाहर उनका प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है। शुभमन ने साल 2021 ब्रिसबेन टेस्ट के बाद से ही 16 पारियों में 17.80 की औसत से 267 रन बनाए हैं। साल 2021 में गिल ने 146 गेंदों में 91 रन की दमदार पारी खेली थी लेकिन उसके बाद से ही उनका बल्ला खामोश है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज में शुभमन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे हैं लेकिन तीन पारियों में वह उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। पर्थ में खेला गया पहला टेस्ट गिल ने नहीं खेला था। लेकिन दूसरे टेस्ट में वह अंतिम ग्यारह का हिस्सा थे और सिर्फ 59 रन ही बना सके। पहली पारी में 31 और दूसरी पारी में उन्होंने 28 रन ही बनाए। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। सीरीज के शुरुआती तीन मैच खेले जा चुके हैं। पर्थ में खेला गया पहला टेस्ट भारत ने जीता जबकि उसके बाद एडिलेड टेस्ट में उसे हार झेलनी पड़ी तो गाबा टेस्ट ड्रॉ रहा। वहीं भारतीय बल्लेबाज इस सीरीज में अभी तक विफल रहे हैं। शुभमन की खराब फॉर्म भी टीम के लिए चिंता का विषय बन गई है। आने वाले समय को देखते हुए भारतीय क्रिकेट को शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ियों से ही उम्मीदें रहेंगी। शुभमन में सभी को टीम का भविष्य नजर आता है। यही कारम है कि उन्हें टीम में लगातार अवसर मिलते रहते हैं।

2025 जूनियर विश्व कप निशानेबाजी की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2025 में भारत जूनियर विश्व कप निशानेबाजी की मेजबानी करेगा। विश्व कप निशानेबाजी में राइफल, पिस्टल और शॉटगन की प्रतियोगितायें। यह हाल के दिनों में का तीसरा शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) का टूर्नामेंट होगा जो भारत में आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय महासंघ के अध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव ने कहा, ''पिछले महीने रोम में आईएसएसएफ की कार्यकारी समिति की एक सार्थक बैठक हुई थी और सभी सदस्य महासंघों के अलावा आईएसएसएफ अध्यक्ष लुसियानो रॉसी ने भारत की शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने और खेल को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने में सहायता करने के तरीके की प्रशंसा की थी।''उन्होंने कहा, ''हमें तब इसकी उम्मीद थी पर अब जब मेजबानी मिलने की आधिकारिक पुष्टि हो गई है तो हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित हैं।'' वहीं भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के महासचिव सुल्तान सिंह ने कहा, ''आईएसएसएफ ने अपने पत्र में हमसे दो संभावित समय की पुष्टि करने का अनुरोध किया है जिसमें एक सितंबर-अक्टूबर में और दूसरा अक्टूबर के अंत तथा नवंबर की शुरुआत के दौरान है। हम आंतरिक रूप से बैठक के बाद शीघ्र ही उन्हें इसके बारे में बताएंगे जिससे सदस्य महासंघ इसके अनुसार तैयारी कर सकें।'' इससे पहले भारत ने दो महाद्वीपीय चैंपियनशिप और छह आईएसएसएसएफ प्रतियोगिताओं की मेजबानी की थी जिसमें दो विश्व कप फाइनल प्रतियोगितायें और चार सीनियर आईएसएसएसएफ विश्व कप शामिल हैं। साल 2023 में सीनियर विश्व कप भी भारत में हुआ था।

ट्रेविस हैड पर अंकुश लगाना होगा : शास्त्री

मेलबर्न (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि भारतीय गेंदबाजों को ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हैड पर अंकुश लगाना होगा। हैड ने अब तक इस सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो शतक लगाये हैं और सबसे अधिक रन बनाये हैं। शॉर्ट बॉल को जल्दी पहचानने की क्षमता के कारण ही वह बड़े शॉट लगाने में सफल हुए हैं। इस सीरीज की अपनी पहली पारी में 11 रन पर आउट होने के बाद से ही हेड ने अपने अगले तीन मैचों में 89, 140 और 152 रन बनाए हैं। उन्होंने गुलाबी गेंद के दिन-रात्रि टेस्ट में भी अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से जीत दर्ज कर 1-1 से बराबरी हासिल की थी।

शास्त्री ने कहा कि मुझे लगता है कि वह बहुत चतुर क्रिकेटर है। मैंने उन्हें तीन साल पहले देखा था पर अब लगता है कि उनमें काफी सुधार हुआ है। विशेष रूप से वह जिस तरह शॉर्ट गेंदों को खेलते हैं। पहले वह इस गेंद को खेलने के लिए तैयार रहते थे पर अब उन्होंने इसे छोड़ना भी सीख लिया है। गेंद की 'लाइन एवं लेंथ को जल्दी से परखने की क्षमता हैड को सही स्ट्रोक खेलने का समय देती है। शास्त्री ने कहा कि ऐसा नहीं है कि हमेशा शॉर्ट गेंद पर बड़ा शॉट लगाना होता है। वह या तो इसे छोड़ने या बड़े शॉट लगाने के लिए तैयार रहते हैं और अगर गेंद मिडिल या ऑफ स्टंप है, तो वह इसे स्क्वायर के सामने भी मारते हैं। जब वह लय में होते हैं तो उन्हें रोकना कठिन हो जाता है। शास्त्री ने कहा कि वह लेंथ अच्छी तरह पकड़ लेता है। यह उनकी सबसे बड़ी ताकत है। और उनके पास ऑफसाइड के लिए शानदार शॉट होते हैं। इसलिए उन्हें रोकना मुश्किल है। इसके साथ ही वह सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हैं। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को ऑस्ट्रेलिया के लगभग हर बल्लेबाज के लिए कठिन रहा है पर हैड ने उनका भी सामना आसानी से किया है। शास्त्री ने कहा कि हम सभी जानते थे कि वह खतरनाक है, इसलिए उसे जल्द से जल्द रोकना जरुरी है।

मंधाना और रेणुका के शानदार प्रदर्शन से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पहले एकदिवसीय में वेस्टइंडीज को 211 रनों से हराया

वड़ोदरा (एजेंसी)। स्मृति मंधाना के अर्धशतक के बाद रेणुका सिंह की अच्छी गेंदबाजी से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज को पहले एकदिवसीय में 211 रनों से हरा दिया। ये रनों के हिसाब से घरेलू धरती पर भारतीय टीम की सबसे बड़ी जीत है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने स्मृति मंधाना के 91 रनों की सहायता से 9 विकेट पर 314 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की महिला टीम 26.2 ओवरों में 103 रनों पर ही सिमट गयी। वेस्टइंडीज टीम के बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये। उसके सात बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। कैरेबियाई टीम के लिए सबसे ज्यादा रन फ्लेचर ने बनाया। उन्होंने 22 गेंदों में 24 रन की नाबाद पारी खेली। इसके अलावा शेमैन कैम्पबेल ने 21 रन बनाये। भारतीय टीम की ओर से रेणुका सिंह ने सबसे अधिक 5 विकेट लिए। वहीं इस मैच में मंधाना ने अपना लगातार चौथा अर्धशतक लगाया। उनके अलावा हरलीन देयोल ने 44 रन और ऋचा घोष ने 12 गेंदों पर 26 रन बनाए। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी 23 गेंदों पर 34 रन बनाये

। इस प्रकार भारतीय टीम ने 314 रनों का बड़ा स्कोर बनाया। वेस्टइंडीज की ओर से जायदा जेम्स ने 5 विकेट लिए।

प्रशंसकों को एमसीजी में विराट से बड़ी पारी की उम्मीदें

मेलबर्न (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के प्रशंसकों को यहां के एमसीजी मैदान पर अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली से बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी। विराट को ये मैदान काफी रास आता है और उन्होंने यहां ढ़ेर सारे रन बनाये हैं पर इस सीरीज में अब तक विराट अपने बल्ले की चमक नहीं दिखा पाये हैं। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले मैच में पर्थ में शतक जमाने के बाद बाकी की पांच पारियों में वह केवल 26 रन ही बना पाये हैं हालांकि उनके प्रशंसकों को भरोसा है कि विराट अपने पसंदीदा मैदान एमसीजी पर अच्छा प्रदर्शन करेंके। यहां उनकी लोकप्रियता इतनी अधिक है कि टूर गाइड से लेकर सुरक्षाकर्मियों तक सभी की जुबां पर उन्हीं का नाम है। एमसीजी पर ऑस्ट्रेलियाई खेल संग्रहालय के टिकट काउंटर पर भी उनकी तस्वीरें लगी हैं। सिडनी क्रिकेट मैदान पर 2018-19 में पहली बार सीरीज जीतने के बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी को के साथ जश्न मनाते हुए कोहली की तस्वीरें यहां लगी हैं। इसके साथ ही लिखा है, 'कोहलीस

कांकरर्स (कोहली की विजेता टीम) .. ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीतने का भारत का इंतजार 2018-19 में खत्म हुआ। एक ऑस्ट्रेलिया ने कहा, 'यह ऑस्ट्रेलिया में सबसे बड़ा टेस्ट है और भारत ऑस्ट्रेलिया मुकाबले से ज्यादा रोमांचक क्या हो सकता है। मुझे इसका बेसब्री से इंतजार है। पर्थ में पहले टेस्ट में विराट ने शानदार पारी खेली जिसकी उसे और भारतीय टीम को बहुत जरूरत थी। वह यहां काफी लोकप्रिय हैं पर हम उम्मीद करते हैं कि उसका बल्ला खामोश रही। साथ ही कहा, 'जसप्रीत बुमराह मेरा पसंदीदा खिलाड़ी है जिसने 2018 में एमसीजी पर ही 33 रन देकर छह विकेट लिए और भारत ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी भी जीती थी। इस सीरीज में भी पर्थ में उसने शानदार गेंदबाजी के साथ बेहतरीन कप्तानी भी की। वह भारत के लिए ट्रंपकार्ड साबित होगा पर मैं उम्मीद करुंगा कि वह इस बार ऐसा नहीं कर पाये। कोहली ने पहला बॉक्सिंग डे टेस्ट अपने पदार्पण वर्ष 2011 में खेलकर सातवें नंबर पर उतरकर पहली पारी में 11 रन बनाए थे और दो कैच भी लिए थे। दूसरी पारी में वह खाता नहीं खोल सके। फिर 2014 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में यहां चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 169 रन बनाए और अजिंक्य रहाणे के साथ 262 रन की साझेदारी की। दूसरी पारी में भी 54 रन बनाकर उन्होंने मैच ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाई। पिछली बार 2018 में कप्तान कोहली ने पहली पारी में इस मैदान पर 82 रन बनाये लेकिन दूसरी पारी में रन नहीं बना सके। वहीं बुमराह ने 9 विकेट लेकर भारत की 137 रन से जीत की नींव रखी और बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में 2-1 की बढ़त बनाई। कोहली ने अब तक इस मैदान पर तीन टेस्ट में 52.66 की औसत से 316 रन बना चुके हैं जिसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं।

प्रभारी मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल की अध्यक्षता में जिला योजना समिति की बैठक हुई आयोजित

जिले के विकास के लिए सब मिलकर टीम की तरह करेंगे काम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री एवं रीवा जिले के प्रभारी मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल की अध्यक्षता में जिला योजना समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में प्रभारी मंत्री ने कहा कि रीवा जिले के विकास के लिए सभी मिलकर टीम की तरह कार्य करेंगे। योजना समिति की हर माह बैठक आयोजित करके पारदर्शी तरीके से प्रत्येक योजना की समीक्षा की जाएगी। सभी जनप्रतिनिधि और अधिकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए उपयोगी सुझाव दें। बैठक के पालन प्रतिवेदन तथा एजेण्डा बिन्दुओं की जानकारी सभी सदस्यों को बैठक से सात दिन पहले उपलब्ध कराई जाएगी। जलजीवन मिशन बहुत महत्वाकां योजना है। इसके तहत एकल नलजल योजनाओं का कार्य 31 मार्च तक पूरा करके हर घर में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करें तथा नलजल योजना को ग्राम पंचायत को हैण्डओवर करें। इन योजनाओं में भी जहाँ पानी का पर्याप्त स्त्रोत नहीं हैं वहाँ समूह नलजल योजना से पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करें। नलजल योजना के पूरक प्रस्ताव में हर बसाहट को शामिल करें। समूह नलजल योजनाओं का कार्य तेजी से जारी है। इसमें गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। निर्माण कार्य को जुलाई 2025 की तय समय सीमा में पूरा कराएं।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना में छूटे हुए परिवारों को शामिल करने के लिए सर्वे का कार्य शुरू कर दिया गया है। सभी जनप्रतिनिधि तथा अधिकारी पूरी संवेदनशीलता से कार्य करते हुए हर पात्र हितग्राही का नाम सूची में अनिवार्य रूप से शामिल कराएं। बिजली विभाग की आरडीएसएस योजना से 26 कैंपीसीटर बैण्ड लगाने का कार्य पूरा हो गया है। पाँच विद्युत सब स्टेशन के स्वीकृत कार्यों में से एक पूरा हो गया है। शेष का निर्माण कार्य समय सीमा में पूरा कराएं। फीडर सेपरेशन के कार्य में भी तेजी लाएं। फीडर सेपरेशन में शामिल क्षेत्रों की जानकारी संबंधित विधायकों को उपलब्ध कराएं। पोषण शक्ति अभियान की समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री ने कहा कि स्वसहायता समूहों के कार्यों पर पूरी निगरानी रखें। यदि स्वसहायता समूह मध्यान्ह भोजन का ठीक से वितरण नहीं कर पा रहा तो उसे धान उपार्जन का कार्य नहीं दिया जा सकता। रोजगार के अवसर देने के साथ-साथ हमें स्वसहायता समूह के उद्देश्यों पर भी ध्यान देना होगा। हर कार्य के लिए जिम्मेदारी निर्धारित होनी चाहिए। प्रभारी मंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में संचालित स्वच्छता परिसरों में साफ-सफाई की उचित व्यवस्था करें। पानी और सफाईकर्मी की समुचित व्यवस्था के बिना स्वच्छता परिसर संचालित न करें। प्रभारी मंत्री ने पंचायतों द्वारा कचरा वाहन के उपयोग पर प्रसन्नता व्यक्त की। प्रभारी मंत्री ने सोहागी घाटी में सड़क सुधार, उपार्जित धान के परिवहन, गौशालाओं में बिजली और पानी की व्यवस्था करने तथा पंचायत भवनों के निर्माण के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए।

बैठक में सांसद जनार्दन मिश्र ने कहा कि रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में जिन व्यक्तियों से समझौते हुए हैं उन्हें ही जमीन दी जाए। आवंटित जमीन का समय पर तथा केवल उद्योग लगाने के लिए ही उपयोग सुनिश्चित हो। विधायक गुढ़ नागेन्द्र सिंह ने खण्ड तथा ग्राम स्तरीय शासकीय सेवकों के स्थानांतरण, रायपुर कर्चुलियान के थाना प्रभारी तथा गौशाला संचालन के संबंध में सुझाव दिए। विधायक सिरमौर दिव्यराज सिंह ने सिरमौर से डभौरा सड़क के सुधार, नलजल योजना के कार्यों की गुणवत्ता में सुधार के सुझाव दिए। विधायक मनगवां इंजी. नरेन्द्र प्रजापति तथा विधायक त्योंथर सिद्धार्थ तिवारी ने जलजीवन मिशन के कार्यों, सड़कों में सुधार और धान उपार्जन के संबंध में अपनी बातें रखी। जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल ने महिला स्वसहायता समूह, कोल भवन के निर्माण के संबंध में अपनी बातें रखी।

बैठक में विधायक सेमरिया अभय मिश्रा ने जलजीवन मिशन के कार्यों में गुणवत्ता में सुधार, फीडर सेपरेशन में शामिल क्षेत्रों की सूची देने तथा गौशाला संचालन के संबंध में सुझाव दिए। बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने निर्धारित एजेण्डा बिन्दुओं की जानकारी दी। बैठक में जिला भाजपा अध्यक्ष डॉ अजय सिंह, विधायक प्रतिनिधि रीवा राजेश पाण्डेय, सभी जनपद अध्यक्ष, पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह, आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े, अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, सभी एसडीएम तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कमिश्नर की पहल पर अनशनकारियों का धरना पाचवें दिन हुआ स्थगित

अपर आयुक्त दिव्या त्रिपाठी पंहुची धरना स्थल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिला पंचायत कार्यालय मे प्रांगण मे विगत 05 दिनों से जिला पंचायत सदस्यों द्वारा जारी अनिश्चितकालीन धरना कमिश्नर रीवा संभाग बी.एस. जामोद की पहल पर स्थगित किया गया है, बताया गया कि कमिश्नर रीवा संभाग द्वारा अपने प्रतिनिधि के तौर पर अपर आयुक्त रीवा श्रीमती दिव्या त्रिपाठी को जिला पंचायत परिसर स्थित धरना स्थल पर भेजा गया था, जहां उनके द्वारा संभागायुक्त का संदेश प्रेषित कर अनशनकारियों जिला पंचायत सदस्य लालमणि त्रिपाठी एवं अन्य समाजसेवियों और गणमान्यजनों को कमिश्नर कार्यालय आमंत्रित किया गया। जहां पर बैठक कर कमिश्नर रीवा से मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत रीवा की पूर्णकालिक पदस्थापना सहित कई मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई, जिस पर कमिश्नर रीवा संभाग द्वारा बताया गया कि सी.ई.ओ. जिला पंचायत की पदस्थापना शासन स्तर से की जान है, जिसका प्रस्ताव शासन को भेज दिया जायेगा, और इस विषय पर पहले से भी शासन स्तर से चर्चा चल रही है और संभवतः 06 जनवरी के बाद कभी भी सी.ई.ओ. की पदस्थापना रीवा मे कर दी जायेगी। ज्ञापन अन्य बिन्दुओं मे जिला जनपद और ग्रामपंचायतों मे अनीयमितता भ्रष्टाचार, मनरेगा एवं वित्त आयोग की राशि के आवंटन और वितरण को लेकर चर्चा हुई, और कमिश्नर रीवा द्वारा सभी बिन्दुओं पर जॉच कराया जाकर कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया है। कमिश्नर रीवा से मिलने वालों मे मुख्य रूप से किसान नेता सुब्रत त्रिपाठी, गया प्रसाद मिश्र, बृजेश कोरी, आरटीआई एक्टिविष्ट शिवानंद द्विवेदी, जिला पंचायत सदस्य प्रमोद जायसवाल, सामाजिक कार्यकर्ता कमलेश तिवारी पेशकार उपस्थित रहें।

घर के बाहर सरहगों ने मचाया तांडव, वाहन में तोड़फोड़

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज थाना क्षेत्र के पैपखार गांव निवासी के घर में पहुंचकर सरहगों ने जमकर तांडव मचाया। काफी समय तक दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया गया जब घर वालों ने दरवाजा नहीं खोला तो घर के सामने खड़ी बोलेरो वाहन में तोड़फोड़ कर दी। ये पूरी घटना रविवार-सोमवार की दरमियानी रात करीब 1 बजे की बताई जा रही है। पैपखार गांव निवासी उमेश पांडे और गांव के कुछ लोगों से पुराना विवाद चल रहा था। रात में पहले उमेश पांडे को फोन लगाकर गाली गलौच किया गया। इसके बाद जब परिजन सो गए तो नीलेश कुशवाहा, प्रमोद कुशवाहा और राहुल कुशवाहा सहित आधा दर्जन लोग उमेश पांडे के घर पहुंचे और दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया, जब दरवाजा नहीं खुला तो घर के सामने खड़ी बोलेरो वाहन में तोड़फोड़ कर दी। जिसके बाद रात में ही पीड़ित ने पुलिस के डायल 100 वाहन को सूचना दी। पीड़ित ने सोमवार की सुबह 9 बजे पुलिस थाना पहुंचकर रिपोर्ट लिखाई है। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।

रीवा मेडिकल कॉलेज के छात्र पर कार चढ़ाने की कोशिश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा मेडिकल कॉलेज के पीजी छात्र पर कॉलेज गेट के सामने एक वाहन चालक ने कार चढ़ाने की कोशिश की। घटना में छात्र को सामान्य चोट आई है। जिसे इलाज के लिए अस्पताल लाया गया। घटना के बाद छात्रों में आक्रोश है। बताया गया कि रविवार रात प्रोग्राम के बाद छात्र, रूम जा रहे थे। उसी दौरान ये पूरी घटना हुई। जिसका सीसी टीवी फुटेज सोमवार को सामने आया है। वाहन चालक ने पहले बाइक को ठोकर मारी। इसके बाद कार सवार चालक ने वाहन छात्र की ओर मोड़ दिया। घटना की शिकायत पुलिस में की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सपा ने केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संसद में सदन की कार्रवाई के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को लेकर की गई टिप्पणी का विरोध देशभर में हो रहा है। विपक्षी दलों द्वारा केंद्रीय गृह मंत्री के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए कार्रवाई करने सहित पद से इस्तीफा देने की मांग की जा रही है। रीवा में बीते दिवस कांग्रेस और आम आदमी पार्टी द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन के बाद आज समाजवादी पार्टी के नेताओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए केंद्रीय गृहमंत्री के खिलाफ ज्ञापन पत्र सौंपा। सपा नेता एडवोकेट शिव सिंह ने अमित शाह पर संविधान निर्माता का अपमान करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जिस तरह से लोकतंत्र के मंदिर के भीतर सदन की कार्रवाई के दौरान गृह मंत्री द्वारा संविधान निर्माता का अपमान किया गया है उसे पूरा देश शर्मसार है। उन्होंने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन में गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

ग्राम पंचायत सचिवों के रिक्त पदों की शीघ्र होगी पूर्ति

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री एवं रीवा जिले के प्रभारी मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने बाणसागर सभागार कलेक्ट्रेट में आयोजित पत्रकार वार्ता में पत्रकारों से संवाद किया। प्रभारी मंत्री ने कहा कि रीवा जिले के विकास के लिए अच्छे प्रयास किए जा रहे हैं। जिला योजना समिति की बैठक में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में विकास के प्रमुख बिन्दुओं पर चर्चा की गई। एक प्रश्न के उत्तर में प्रभारी मंत्री ने कहा कि जिला पंचायत सचिवों के रिक्त 400 से अधिक पदों पर अनुकंपा नियुक्ति की कार्यवाही शीघ्र पूरी हो रही है। शेष पदों पर भी भर्ती की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। धान उपार्जन केन्द्रों में धान का उठाव शुरू हो गया है। आगामी सात दिवस में पूरे बैकलाग का उठाव कर लिया जाएगा। जल जीवन मिशन की समूह नलजल योजनाओं में कार्य अपेक्षा के अनुरूप तेजी से नहीं चल रहे हैं। इनका कार्य तय समय सीमा से 6 माह बाद जुलाई तक पूरा होगा। जिला योजना समिति की बैठक में ग्रामीण विकास के विभाग के कार्यों, जलजीवन मिशन तथा बिजली विभाग की समीक्षा की गई। पत्रकार वार्ता में सांसद जनार्दन मिश्रा, विधायक मनगवां इंजी. नरेन्द्र प्रजापति, जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, जिलाध्यक्ष भाजपा डॉ अजय सिंह तथा बड़ी संख्या में पत्रकारगण उपस्थित रहे।

ऑर्केस्ट्रा को देख रहे लोगों पर तेज रफ्तार बोलेरो चढ़ी, दो की मौत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज जिले के हनुमना थाना क्षेत्र में बीती रात हुए भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि गांव में चल रहे ऑर्केस्ट्रा को देखने के लिए लोग सड़क किनारे खड़े थे, तभी एक तेज रफ्तार बुलेरो ने उन्हें अपनी चपेट में लेते हुए कई लोगों को कुचल दिया। अचानक हुई इस दुर्घटना से मौके पर हड़कंप के स्थिति निर्मित हो गई। घायलों को हनुमना समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां से उन्हें स्त रा रीवा रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि हादसे में गुढ़ बढ़ा गांव निवासी आकाश दुबे की गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो गई, जबकि हनुमना निवासी विंध्य वासिनी गुप्ता ने हनुमना समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से रीवा ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। बोलेरो वाहन राजू बहेलिया नामक व्यक्ति की बताई जा रही है जो हनुमना का ही निवासी है। परिजनों ने ये भी आरोप लगाया कि हादसे के बाद एंबुलेंस उपलब्ध ना होने की वजह से उपचार में देरी हुई जिससे घायलों की मौत हो गई। पुलिस ने फिलहाल मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

मनगवां क्षेत्र के स्वीकृत एकल व समूह ग्राम योजनाओं के कार्यों की समीक्षा 30 दिसंबर को

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मनगवां विधायक इंजी. नरेन्द्र प्रजापति की उपस्थिति में मनगवां विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत स्वीकृत एकल एवं समूह ग्राम योजनाओं के कार्यों की समीक्षा 30 दिसंबर को अपरान्ह 4.30 बजे से कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित की गई है। कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला जल एवं स्वच्छता मिशन प्रतिभा पाल ने बैठक में महाप्रबंधक जल निगम, कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य मैकेनिकल खण्ड तथा अन्य संबंधित अधिकारियों को उपस्थिति के निर्देश दिये हैं।

बाइक सवार पिता और दो पुत्र ट्रैक्टर की चपेट में आये

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज जिले के देवतालाब में बीती रात बाइक सवार पिता सहित दो पुत्र भीषण सड़क हादसे का शिकार हो गए। यहां बाइक में सवार होकर पिता और दो पुत्र ट्रैक्टर खरीदने गए थे, जहां से वापस लौटते वक्त वो दूसरे ट्रैक्टर की चपेट में आकर हादसे का शिकार हो गए। अचानक हुए इस हादसे में जहां बाइक चला रहे पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं पिता सहित दूसरे पुत्र को गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि लौर के ग्राम करहिया निवासी राजधार पांडे अपने दो बेटों के साथ रविवार की शाम देवतालाब में स्थित ट्रैक्टर एजेंसी में नया ट्रैक्टर खरीदने गए थे। जहां से वापस लौटते वक्त बाइक सवार पिता पुत्र जैसे ही प्रकाश ढाबा के समीप पहुंचे, तभी पाइप लोड किए हुए ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। अचानक हुए इस हादसे में उपेंद्र पांडे की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि पिता राजधार पांडे और उनके दूसरे पुत्र नागेंद्र पांडे गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हे उपचार के लिए रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है और मौके से फरार हुए चालक की तलाश की जा रही है।

प्रशासन गांव की ओर अभियान के तहत भ्रमण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा संभाग के सभी जिलों में प्रशासन गांव की ओर अभियान के तहत 19 दिसम्बर से 24 दिसम्बर तक सुशासन सप्ताह मनाया जा रहा है। साथ ही शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 15 दिसम्बर से मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में आमजनता के आवेदनों का मौके पर निराकरण करने के साथ पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। कमिश्नर बीएस जामोद की विशेष पहल से संभागीय अधिकारी संभाग के सभी जिलों का लगातार भ्रमण कर रहे हैं। अधिकारियों द्वारा जनकल्याण शिविरों में शिरकत करने के साथ-साथ आंगनवाड़ी केन्द्र, स्कूल, छात्रावास, धान उपार्जन केन्द्र तथा उचित मूल्य दुकानों का निरीक्षण किया जा रहा है। विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी ग्राम स्तरीय कार्यालयों में दस्तक दे रहे हैं।

भ्रमण के क्रम में सहायक आयुक्त आबकारी कीर्ति दुबे ने सीधी जिले के चुरहट में अनुसूचित जाति बालक छात्रावास एवं अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास का निरीक्षण किया। उन्होंने छात्रावासों की भोजन, आवास और साफ-सफाई व्यवस्था की जानकारी ली। संयुक्त संचालक नगरीय विकास राधेश्याम मण्डलोई ने गत दिवस धान खरीदी केन्द्र टिकुरी का निरीक्षण किया तथा ग्राम पंचायत लौरकला में आयोजित जनकल्याण शिविर में शामिल हुए। संयुक्त संचालक ने नगर परिषद मऊगंज के विभिन्न वार्डों का भ्रमण करके ट्रेंचिंग ग्राउण्ड और अन्य निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उप संचालक मण्डी ने मऊगंज जिले के पटाई, विशेषर और नौढ़िया में आयोजित शिविरों में शिरकत की। उप संचालक मछलीपालन डॉ अंजना सिंह ने जूनियर कन्या छात्रावास गोविंदगढ़ का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में 23 दिसम्बर को संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास ऊषा सिंह सोलंकी तथा संभागीय दल के अन्य सदस्यों ने मैहर जिले के अमरपाटन में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और पोषण पुनर्वास केन्द्र का निरीक्षण किया। नगर परिषद अमरपाटन के वार्ड क्रमांक 5 में आयोजित जनकल्याण शिविर में सहभागिता निभाते हुए लाड़ली लक्ष्मी योजना के तीन बेटियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। दल के सदस्यों ने सतना जिले के ग्राम बरती में माध्यमिक शाला का निरीक्षण किया तथा जनकल्याण शिविर में शामिल हुए। संभाग के अन्य अधिकारी भी लगातार क्षेत्र का भ्रमण कर रहे हैं।

जिले भर में जनकल्याण अभियान के लगाये जा रहे हैं शिविर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पात्र हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ देने के लिए जिले भर में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिले के सभी विकासखण्डों में ग्राम पंचायतवार शिविर लगाये जा रहे हैं। इन शिविरों में शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जा रही है साथ ही पात्र हितग्राहियों से आवेदन भरवाकर उन्हें हितलाभ का वितरण किया जा रहा है। इस संबंध में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बताया कि जनकल्याण अभियान के तहत 24 और 25 दिसंबर को शिविर लगाये जायेंगे।

कलेक्टर ने बताया कि 24 दिसंबर को महसुआ, जोगिनहाई, बुढ़िया और बंधवा में शिविर लगाये जायेंगे। इसी तरह 25 दिसंबर को सुरसा खुर्द, रौरा तथा पड़रा में शिविर लगेंगे। अनुभाग हुजूर में 24 दिसंबर को अमवा और भिटवा तथा 25 दिसंबर को अजगरहा एवं करहिया नम्बर एक में शिविर लगेंगे। अनुभाग जवा में 24 दिसंबर को ग्राम पंचायत किरहाई और गढ़वा तथा 25 दिसंबर को ग्राम पंचायत गौहाना और उसकी में शिविर लगेंगे। अनुभाग मनगवां में 24 दिसंबर को मढ़ीखुर्द और सथिनी एवं 25 दिसंबर को दुबगवां और टिकुरी 37 में शिविर लगाये जायेंगे। इसी तरह अनुभाग त्योंथर में 24 दिसंबर को परसिया और मदरो तथा 25 दिसंबर को कोनियाकला और कुठिला में शिविर लगाये जायेंगे। अनुभाग सिरमौर में 24 दिसंबर को बगढा दुबे और रिमारी तथा 25 दिसंबर को तिलखन और पिपरी में शिविर लगाये जायेंगे। कलेक्टर ने आमजनता से इन शिविरों से लाभ उठाने की अपील की है।

बालमैत्रीपूर्ण सेवा योजना क्रियान्वयन संबंधी प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राकेश मोहन प्रधान के मार्गदर्शन में तथा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आषीर्वाद भिलाला के नेतृत्व मे ए.डी.आर. सेन्टर जिला न्यायालय में नालसा बालकों हेतु बालमैत्रीपूर्ण विधिक सेवा योजना 2024 के क्रियान्वयन के लिए गठित कमेटी द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सेवा निवृत्त विशेष न्यायाधीश विजय अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में बच्चों के सर्वोत्तम हित और उससे जुड़े कानून के संबंध में जानकारी दी। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विशेष न्यायाधीश पाक्सों कंचन गुप्ता ने बालकों के लैंगिक अपराधों का संरक्षण अधिनियम 2012 के बारे में जानकारी दी एवं सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग आशीष द्विवेदी ने महिला बाल विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं बालकों के सुरक्षा एवं देखभाल के संबंध में बताया। बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष डॉ. मिना मिश्रा ने बालको के कल्याण एवं सुरक्षा के संबंध में, किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य के.पी.शर्मा ने किशोर न्याय अधिनियम के संबंध में जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय कुमार मिश्रा ने की। स्वागत उद्बवोधन सुमित सिंह ने दिया। सुरेन्द्र सिंह, आनंद पाण्डेय, मंजूर अहमद मंसूरी, आरती तिवारी ने भी विचार व्यक्त किये। अनीश पाण्डेय ने कार्यक्रम का संचालन किया। आभार धर्मेन्द्र नापित ने किया। कार्यक्रम में जय प्रकाश पाठक, शिवकुमार तिवारी, क्षेत्रपाल मिश्रा, सौरभ द्विवेदी, हेम कुमार अग्निहोत्री, उमेश कुमार सिंह, नीलम पटेल, शिवशरण सिंह, श्लेषा शुक्ला, अम्बे सिंह, नसरीन खान, रंजना सिंह, रमेश कुमार कुशवाहा, पूर्णिमा साहू, उमा सोधिया, रूचि द्विवेदी, विभा द्विवेदी, आरती शर्मा, अनिल अग्निहोत्री उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री ने आमजनों की समस्यायें सुनीं

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने रीवा राजनिवास सर्किट हाउस में आमजनों से भेंट की तथा उनकी समस्यायें सुनीं। प्रभारी मंत्री ने आमजनों से प्राप्त आवेदनों पर संबंधित विभागीय अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।